भाद्रपद शुक्ल पक्ष 12, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक-78 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल
23 सितंबर 2026 बुधवार

आज का मौसम
31.5 अधिकतम
21.3 न्यूनतम

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

मक्का पैक्ट की अग्निपरीक्षा... रणनीति पर हावी होती सियासी दुविधा

इसी साल 7 अगस्त को सऊदी अरब, तुर्किए और पाकिस्तान ने संयुक्त मक्का सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसका मूल सिद्धांत स्पष्ट था कि एक सदस्य पर सशस्त्र हमला तीनों के लिए सुरक्षा चुनौती माना जाएगा। लेकिन सुरक्षा की रणनीति पर सियासी दुविधा हावी होती दिख रही है। उस समय यह समझौता पश्चिम एशिया के बदलते सुरक्षा समीकरण में एक महत्वपूर्ण घटना के रूप में देखा गया था।लेकिन किसी भी रक्षा समझौते की असली ताकत उसके दस्तावेज में नहीं, बल्कि युद्ध की घड़ी में दिखाई देती है। वह घड़ी अब आ गई है।

राजेश सिरोठिया

युद्ध की चक्की में पिसती दुनिया
पार्ट -3

यमन के हूतियों ने सऊदी अरब के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। रियाद के आसपास मिसाइल और ड्रोन हमलों की खबरें सामने आ चुकी हैं। सऊदी ऊर्जा ढांचे और समुद्री मार्ग भी दबाव में हैं। अब सवाल सीधा है- मक्का पैक्ट क्या करेगा? क्या तुर्किए और पाकिस्तान केवल राजनीतिक समर्थन देंगे या सऊदी अरब की रक्षा के लिए वास्तविक सैन्य सहायता भी सामने आएगी? अभी तस्वीर पूरी तरह साफ नहीं है।

19 सितंबर को तुर्किए के विदेश मंत्री हाकान फिदान ने कहा कि यदि सऊदी अरब की सैन्य जरूरतें हैं तो तुर्किए इस समझौते के तहत तकनीकी सैन्य सहायता देने के लिए तैयार है। पाकिस्तान ने भी अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है, लेकिन उसने अभी तक हूतियों के खिलाफ प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई नहीं की। दूसरी तरफ हूतियों ने पाकिस्तान और तुर्किए को चेतावनी दी है कि यदि वे यमन में सऊदी अरब के साथ सैन्य रूप से हस्तक्षेप करते हैं तो उन्हें जवाब दिया जाएगा। यानी मक्का पैक्ट के सामने केवल एक सैन्य नहीं, बल्कि राजनीतिक और रणनीतिक दुविधा भी है।

अरब की नजर अब इजरायल पर...!

सऊदी अरब और इजरायल के संबंधों का इतिहास जटिल है। दोनों देशों के बीच औपचारिक राजनयिक मान्यता का अभाव रहा है और फिलिस्तीन का प्रश्न उनके संबंधों की केंद्रीय बाधाओं में रहा है। ऐसे में यदि क्षेत्रीय युद्ध सऊदी सुरक्षा के लिए असाधारण खतरा पैदा करता है तो किसी भी संभावित अप्रत्यक्ष सुरक्षा, खुफिया या तकनीकी सहयोग की चर्चा अपने आप में पश्चिम एशिया के पुराने समीकरणों को बदलने वाली होगी। लेकिन यह भी याद रखना होगा कि युद्ध केवल गठबंधनों से नहीं चलता। उसके भीतर कई परतें होती हैं। दरअसल, ईरान अमेरिका को पीछे हटते नहीं देखना चाहता। अमेरिका ईरान को अपनी शर्तों पर झुकते देखना चाहता है। सऊदी अरब अपने तेल और शहरों को सुरक्षित रखना चाहता है। हूती अपनी क्षेत्रीय भूमिका को बनाए रखना चाहते हैं। तुर्किए अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाना चाहता है लेकिन प्रत्यक्ष युद्ध के जोखिम को भी तौल रहा है। पाकिस्तान के सामने सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय संतुलन की अपनी मजबूरियां हैं। इस सबके ऊपर रूस-यूक्रेन युद्ध पहले से दुनिया की ऊर्जा और सुरक्षा व्यवस्था पर दबाव बनाए हुए है। इसलिए आज की जंग को केवल ईरान बनाम अमेरिका कह देना पर्याप्त नहीं होगा। यह होर्मुज का संकट है। यह बाब-अल-मंदेब का संकट है। यह सऊदी सुरक्षा का संकट है। यह यूरोप की ऊर्जा सुरक्षा का संकट है। यह अमेरिका की घरेलू राजनीति का संकट है और यह उन देशों की अर्थव्यवस्था का संकट है जो इस युद्ध में शामिल तक नहीं हैं।

सबसे बड़ा सवाल अब यह नहीं है कि युद्ध कौन जीत रहा है। सवाल यह है कि क्या कोई पक्ष हार स्वीकार किए बिना युद्ध रोकने का रास्ता खोज सकता है? क्योंकि जब युद्ध प्रतिष्ठा का प्रश्न बन जाता है तो समझौता कमजोरी दिखाई देने लगता है। और जब अहंकार रणनीति पर भारी पड़ता है तो विवेक, संयम और धैर्य सबसे पहले घायल होते हैं। आज दुनिया उसी मोड़ पर खड़ी है। होर्मुज में जहाजों की आवाजाही घट रही है। यूरोप में ईंधन की चिंता बढ़ रही है। सऊदी अरब पर हमले हो रहे हैं। मक्का पैक्ट की वास्तविक परीक्षा सामने है।

इस बीच अमेरिका चुनाव की ओर बढ़ रहा है, और ईरान पीछे हटने को तैयार दिखाई नहीं देता। युद्ध की चक्की घूम रही है। उसमें केवल ईरान और अमेरिका नहीं पिस रहे। उसमें पूरी दुनिया का ऊर्जा-संतुलन, सुरक्षा-संतुलन और आर्थिक संतुलन भी पिस रहा है। शायद आने वाले दिनों का सबसे बड़ा सवाल यही होगा कि यह चक्की कब रुकेगी, और इसे रोकने के लिए पहला हाथ कौन बढ़ाएगा?

अमेरिका भी दिखा रहा पीठ

पाकिस्तान के सामने ईरान के साथ अपने संबंधों का प्रश्न है। तुर्किए के सामने नाटो सदस्य के रूप में उसकी भूमिका और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन का प्रश्न है। सऊदी अरब के सामने अपनी सुरक्षा का प्रश्न है। और अमेरिका के सामने यह फैसला है कि वह अपने पुराने खाड़ी सहयोगी के लिए कितनी दूर तक जाएगा। फिलहाल वॉशिंगटन ने हूतियों के खिलाफ सऊदी अरब को प्रत्यक्ष अमेरिकी सैन्य सहायता देने से इनकार किया है। इस स्थिति ने रियाद के लिए सुरक्षा समीकरण को और जटिल बना दिया है। वह केवल खुफिया सूचनाओं के लिए राजी हुआ है। यहीं से एक बड़ा भू-राजनीतिक परिवर्तन दिखाई देता है। सऊदी अरब दशकों से अमेरिका की सुरक्षा छतरी के नीचे रहा है। लेकिन अब यदि अमेरिका प्रत्यक्ष युद्ध से बचता है और मक्का पैक्ट के दूसरे सदस्य भी सीमित भूमिका निभाते हैं तो रियाद को अपने सुरक्षा विकल्पों को नए सिरे से देखना होगा।

न्यूज विंडो

राम मंदिर मामला: सभी आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध आज सुबह अदालत में आरोप पत्र पेश किया। पुलिस द्वारा चार्जशीट दाखिल करने भर से अब आरोपियों के डिफॉल्ट बेल पाने की संभावना खत्म हो गई है। जेल में बंद अनुकल्प मिश्र, करुणेश पांडेय व लवकुश मिश्र की भी जमानत अर्जी विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम रजत वर्मा ने निरस्त कर दी थी।

कर्नाटक के व्यक्ति की यूएई में हत्या शव को काटकर दो बैग में रखा

शारजाह। कर्नाटक के एक व्यक्ति की संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के शारजाह में हत्या कर दी गई। उनकी लाश 9 टुकड़ों में मिली। शव के टुकड़े दो बैग में भरकर कार में रखे थे। मृतक की पहचान उडुपी जिले के एल्विन प्रकाश कुंदर के रूप में हुई है। घटना की जानकारी एल्विन प्रकाश के भाई अनिल प्रशांत कुंदर ने मंगलवार को दी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मृतक की पत्नी और बेटा लापता हैं। उनके बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

चिंतन शिविर आज से: मोदी की क्लास में मंत्री सीखेंगे प्रभावी संवाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से एक अक्तूबर तक चार बार अपने मंत्रियों के शिक्षक की भूमिका में होंगे। इस कड़ी में प्रधानमंत्री अपने मंत्रियों को चिंतन शिविर में प्रभावी संवाद करने की कला ही नहीं जनविश्वास को जनाधार में बदलने का गुर भी सिखाएंगे। इस दौरान मोदी मंत्रियों को विभागीय सफलता हासिल करने के टिप्स देने के अलावा 'शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक स्तर पर व्यक्तित्व को निखार कर स्व विकास का मंत्र भी देंगे।

आईआईटी बॉम्बे सुसाइड केस में प्रोफेसर डूला को छुट्टी पर भेजा

मुंबई। आईआईटी बॉम्बे ने छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में आरोपी प्रोफेसर सूर्यनारायण डूला को छुट्टी पर जाने को कहा है। उन पर छात्र को उकसाने, जाति आधारित उत्पीड़न और भेदभाव का आरोप है। 21 सितंबर को डूला को डीन ऑफ एडमिनिस्ट्रेटिव अफेयर्स के पद से हटा दिया। वहीं, संस्थान ने मामले की जांच के लिए 10 सदस्यीय हाईलेवल कमेटी बनाई गई है। कमेटी मौत से पहले की परिस्थितियों और लगाए गए आरोपों की जांच करेगी।

आज का कार्टून

जंगलों, नदियों, समुद्रों, पहाड़ों और वन्यजीवों पर गंभीर असर की आशंका

180 वैज्ञानिकों ने चेताया... भारत में सुपर अल नीनो बरपाएगा कहर

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के 180 से अधिक वैज्ञानिकों और इको लॉजिकल एक्सपर्ट ने 2026 - 27 में शक्तिशाली अल नीनो की चेतावनी दी है। इससे देश में भीषण गर्मी, कम बारिश, समुद्र पर गंभीर असर पड़ने की आशंका जताई है। साथ ही इसका असर जंगल, जानवरों और खेती पर भी पड़ने की संभावना है। वैज्ञानिकों ने सरकार और शोध संस्थानों से तुरंत तैयारी शुरू करने की अपील की है, ताकि नुकसान होने के बाद अध्ययन करने के बजाय पहले से ही निगरानी और रिकॉर्ड की व्यवस्था की जा सके।

अल-नीनो प्रशांत महासागर से जुड़ी एक प्राकृतिक जलवायु घटना है जिसमें समुद्र की सतह का पानी सामान्य से काफी अधिक गर्म हो जाता है। अगस्त में प्रशांत महासागर में समुद्री सतह का तापमान सामान्य से 2.6 डिग्री सेल्सियस से अधिक ऊपर पहुंच गया, जबकि कुछ अनुमानों में यह विसंगति चार डिग्री सेल्सियस से अधिक होने की आशंका जताई गई है। वैज्ञानिकों ने इसे पिछले करीब 1,000 वर्षों में असाधारण स्तर बताया है। वैज्ञानिकों ने सूखे, भीषण गर्मी, जंगल की आग और इकोसिस्टम को नुकसान जैसे खतरों की ओर इशारा किया है। यह अपील तब आई है जब दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की सालाना वापसी शुरू हो रही है। मौसम विभाग के डेटा के मुताबिक, 4 जून से 19 सितंबर के बीच भारत में बारिश में 15 फीसदी की कमी दर्ज की गई है।

शोध संस्थानों और फंड देने वाली एजेंसियों से तुरंत तैयारी शुरू करने की अपील

अगले साल तक भीषण गर्मी, कम बारिश और समुद्र पर प्रभाव

जलवायु वैज्ञानिकों की सलाह....

वैज्ञानिकों ने अपने साथी शोधकर्ताओं से शुरुआती चेतावनी के संकेतों का लाभ उठाने और एकजुट होकर इस घटना के दौरान भारत की प्राकृतिक प्रणालियों में होने वाले बदलावों का अध्ययन करने का आह्वान किया। जलवायु वैज्ञानिक रॉक्सी मैथ्यू कोल ने कहा, इस अल नीनो के दौरान सीखी गई बातें और संरक्षित किए गए पारिस्थितिकी तंत्र भारत को अधिक गर्म और अस्थिर भविष्य के लिए तैयार करने में मदद कर सकते हैं।

सूखे और गर्मी का खतरा

विश्व मौसम विज्ञान संगठन ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि मौजूदा अल नीनो परिस्थितियों के आने वाले महीनों में बहुत मजबूत घटना में बदलने की सबसे अधिक संभावना है। इसके फरवरी 2027 तक बने रहने का अनुमान है। वैज्ञानिकों के अनुसार, इतनी तीव्र अल नीनो घटना का भारत के लोगों, प्राकृतिक संसाधनों पर गंभीर असर पड़ सकता है। सूखे और अत्यधिक गर्मी की स्थिति की भी अधिक संभावना है। जिससे किसानों, मछुआरों और चरवाहों पर दबाव बढ़ सकता है। उन्होंने कोरल ब्लीचिंग और उनके मरने, जंगल की आग बढ़ने और वर्षावनों के बड़े पेड़ों के नुकसान की ओर भी इशारा किया। इस अपील में कम दिखाई देने वाले इकोलॉजिकल बदलावों पर भी जोर दिया गया, जिसमें जानवरों के व्यवहार में बदलाव और फलों के उत्पादन में देरी शामिल है।

एशियन गेम्स-2026

28 साल बाद भारत को वेटलिफ्टिंग में मिला मेडल मीराबाई ने सिल्वर दिलाया

टोक्यो। भारत को एशियन गेम्स में 28 साल बाद वेटलिफ्टिंग का मेडल मिला है। यह मेडल मीराबाई चानू ने दिलाया है। 1998 में कर्णम मल्लेश्वरी ने सिल्वर जीता था। आज मीराबाई महिलाओं की 49 kg वेट कैटेगरी में 198 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरे स्थान पर रहीं। उन्होंने स्नेच में 87 और क्लीन एंड जर्क में 111 kg का वजन उठाया। 32 साल की मीराबाई ने एशियाई खेलों में पहली बार मेडल जीता है। वे ओलिंपिक गेम्स, कॉमनवेल्थ गेम्स और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसी बड़ी प्रतियोगिताओं में मेडल जीत चुकी हैं।

भारत को दिन में चौथा मेडल मिला: गेम्स के चौथे दिन भारत को चौथा मेडल मिला है। इनमें से 2 मेडल शॉटगन शूटिंग के स्कीट टीम इवेंट में आए। रायजा ढिल्लों, परिनाज धालीवाल और माहेश्वरी चौहान की महिला टीम 331 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रही। पुरुष इवेंट में अनंतजीत सिंह नारुका, मैराज अहमद खान और भवतेघ सिंह गिल ने शूट-ऑफ में कजाकिस्तान को हराकर ब्रॉन्ज जीता। एक मेडल सॉफ्ट टेनिस में जय मीणा ने दिलाया। ...पेज-7 भी देखें

SIR पर विवाद

चुनाव आयोग ने कहा- सभी फैसले सर्वसम्मति से हुए

नई दिल्ली। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर देश के कई राज्यों में चर्चा तेज है। इस बीच, चुनाव आयोग के अंदर इस प्रक्रिया को लेकर मतभेद होने की खबर सामने आई है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि मुख्य चुनाव आयुक्त और दो अन्य चुनाव आयुक्तों के बीच SIR से जुड़े कुछ फैसलों को लेकर असहमति थी। हालांकि, अब भारत निर्वाचन आयोग ने इन खबरों को खारिज कर दिया है। आयोग के सूत्रों के मुताबिक, SIR से जुड़े सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए गए हैं और आयोग में किसी तरह का मतभेद नहीं है।

शांति के लिए बैठक

ईरान की शर्त- दबाव घटाए तो होर्मुज खुलेगा, ट्रम्प बोले-फिर मिलेंगे

न्यूयॉर्क। UN जनरल असेंबली के दौरान मंगलवार को न्यूयॉर्क में अमेरिका और ईरान के अधिकारियों के बीच करीब 3 घंटे बातचीत हुई। इस बातचीत में अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची शामिल हुए। ट्रम्प ने बताया कि बातचीत अच्छी रही और दोनों पक्षों की जल्द ही एक और बैठक होगी। एक सीनियर ईरानी अधिकारी ने कहा कि अगर अमेरिका सैन्य और आर्थिक दबाव कम करने के लिए कदम उठाता है तो ईरान 7 दिन के भीतर होर्मुज स्ट्रेट खोल सकता है।

बड़ा हादसा

मूर्ति विसर्जित करने गए 11 लोग डूबे, एक की मौत, छह लापता

बाढ़/पटना। पटना जिले के बाढ़ अनुमंडल में करमा पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के दौरान बड़ा हादसा हो गया। बाढ़, अथमलगोला और बख्तियारपुर थाना क्षेत्रों में गंगा नदी में मूर्ति विसर्जन के दौरान भाई-बहन समेत 11 लोग डूबने लगे। हादसे में चार लोगों को स्थानीय लोगों ने सुरक्षित बचा लिया, जबकि एक युवक का शव बरामद किया गया है।

विसर्जन के दौरान डूबने से 5 की गई जान

पलामू जिले में करमा पूजा के दौरान कोयल नदी में पेड़ की डाली के विसर्जन के दौरान पांच लोग नदी में डूब गए। मृतकों में तीन नाबालिग शामिल हैं। हादसा चैनपुर थाना क्षेत्र के बोकेया गांव के पास हुआ।

मेट्रो एंकर | सरकारी पॉलिटेक्निक का छात्र है सर्वेश, रक्षा मंत्रालय से 3.50 करोड़ रुपए की ग्रांट मंजूर

मजदूर का बेटा बना रहा सेना के लिए रडार और जैमर फ्री ड्रोन

हमीरपुर, एजेंसी

कहते हैं कि प्रतिभा किसी भी परिस्थिति की मोहताज नहीं होती और प्रतिभाशाली बच्चे को कोई भी मुश्किल आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर जिले के सरकारी पॉलीटेक्निक कॉलेज हमीरपुर (बड़ू) के कंप्यूटर इंजीनियरिंग के पांचवें सेमेस्टर के छात्र सर्वेश शर्मा ने यही साबित किया है। उन्होंने भारतीय सेना की सीमा निगरानी से जुड़ी जरूरत को ध्यान में रखते हुए एक ड्रोन तैयार किया है। सर्वेश के अनुसार विकसित किए जा रहे 'रुद्रा एज टी-1 (स्पेक्ट्रा)' ड्रोन को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि यह दुश्मन के रडार की पकड़ में न आए और जैमर भी इसके संचालन को बाधित न कर सके।

सर्वेश के इस प्रोजेक्ट के लिए रक्षा मंत्रालय के डिफेंस इनोवेशन ऑर्गेनाइजेशन (डीआईओ) और इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (आईडेक्स) के तहत 3.50 करोड़ रुपए की ग्रांट मंजूर की गई है। सर्वेश ने आईआईटी जोधपुर और कोनार्क कोर के राष्ट्रीय स्तर के ओपन कार्ड बोर्ड ड्रोन कॉम्पिटिशन में हिस्सा लिया था। प्रतियोगिता में देशभर के प्रतिष्ठित संस्थानों की 50 टीमों ने अपने इनोवेटिव आइडिया प्रस्तुत किए थे। इसी दौरान भारतीय सेना की सीमा निगरानी से जुड़ी समस्या पर चर्चा हुई। सर्वेश की टीम ने प्रतियोगिता में 10 लाख रुपए का चौथा पुरस्कार हासिल किया।

इसके बाद सर्वेश ने सीमा निगरानी की समस्या के समाधान के लिए ड्रोन विकसित करने पर काम शुरू किया। इस प्रोजेक्ट पर शुरुआती तौर पर 87 हजार रुपए खर्च हुए। बाद में उन्होंने डीआईओ और आईडेक्स के प्रोजेक्ट के तहत स्टार्टअप के लिए आवेदन किया, जिसे अब मंजूरी मिल गई है। पॉलिटेक्निक के कॉलेज के प्राचार्य चंद्रशेखर बताते हैं कि सीखने और हमेशा नया करने की ललक से सर्वेश को यह मुकाम हासिल हुआ है। वे साधारण परिवार से आते हैं और उनके पिता संजीव शर्मा दिहाड़ी मजदूरी करते हैं।

आईआईटी रुड़की में होगा काम

मंत्रालय ने इस प्रोजेक्ट से संबंधित औपचारिकताएं पूर्ण करने के लिए 20 दिन का समय दिया है और इसका इनक्यूबेशन सेंटर आईआईटी रुड़की में बनाया गया है। अब सर्वेश इस प्रोजेक्ट पर आईआईटी की लैब में काम करेंगे। प्रोजेक्ट का इनक्यूबेशन सेंटर आईआईटी रुड़की में बनाया गया है। रक्षा मंत्रालय ने प्रोजेक्ट से जुड़ी औपचारिकताएं पूरी करने के लिए 20 दिन का समय दिया है, जबकि इसे पूरा करने का लक्ष्य 20 महीने निर्धारित किया गया है। सर्वेश ने अपनी प्रारंभिक और सेकेंडरी शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बाहनवीं से पूरी की। वर्तमान में वह राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज हमीरपुर (बड़ू) में कंप्यूटर इंजीनियरिंग के पांचवें सेमेस्टर के छात्र हैं।

सराफा बाजार की सड़कों पर गड्ढे, बारिश ने बढ़ाई परेशानी

त्योहारों से पहले सड़क सुधार की मांग, व्यापारी बोले- ग्राहकों की आवाजाही पर पड़ रहा असर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पुराने शहर के प्रमुख सराफा बाजार की सड़कें बारिश के बाद बदहाल हो गई हैं। जगह-जगह गड्ढे और कीचड़ के कारण व्यापारियों के साथ खरीदारी के लिए आने वाले ग्राहकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से समस्या और बढ़ जाती है। पैदल राहगीरों के अलावा दोपहिया वाहन चालकों को भी गड्ढों से बचकर निकलना पड़ रहा है, जिससे कई बार यातायात प्रभावित होता है।

सराफा व्यापारी मनोज कुमार सोनी ने बताया कि सड़क की स्थिति काफी समय से खराब है और बारिश में परेशानी बढ़ गई है। अब त्योहारों का सीजन शुरू होने वाला है, ऐसे में बाजार में ग्राहकों की संख्या बढ़ेगी। व्यापारियों ने नगर निगम और संबंधित विभाग से त्योहारों से पहले सड़क का निरीक्षण कर गड्ढे भरने और आवश्यक मरम्मत कराने की मांग की है।

पीएम में सिर पर हथौड़े से वार की पुष्टि, पुलिस ने दोनों के मोबाइल, सीडीआर खंगाले

मीनाक्षी हत्याकांड में नए सवाल, रिश्तों से लेकर आखिरी बातचीत तक जांच

भोपाल। दोपहर मेट्रो

दतिया में पदस्थ आरटीओ इंस्पेक्टर मीनाक्षी गोखले की हत्या और इसके बाद पवन द्विवेदी की खुदकुशी के मामले में जांच आगे बढ़ने के साथ कई नए पहलू सामने आ रहे हैं। पुलिस अब दोनों के रिश्ते और घटना से पहले की परिस्थितियों की पड़ताल कर रही है। मंगलवार को भोपाल में पवन के शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे परिजनों को सौंप दिया गया, जबकि मीनाक्षी का अंतिम संस्कार इंदौर में किया गया।

जांच में सामने आया है कि पवन के परिवार को उसके मीनाक्षी के साथ रहने की जानकारी नहीं थी। परिजनों को दोनों के बीच केवल जान-पहचान की बात पता थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पवन रिश्ते की बात को लेकर अकेले मीनाक्षी के पिता से मिलने भी पहुंचा था। पुलिस इस घटनाक्रम को भी

जांच का अहम हिस्सा मान रही है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार मीनाक्षी के सिर पर हथौड़े से वार कर हत्या की गई थी। शरीर पर झूमाझटकी या संघर्ष के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं। पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन और कॉल डिटेल रिकॉर्ड जब्त किए हैं। इनके जरिए घटना से पहले दोनों के बीच हुई बातचीत और संपर्क की जानकारी जुटाई जा रही है। घर में मौजूद मीनाक्षी की दोस्त और बच्ची की केयरटेकर कृतिका के बयान भी जांच में महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं।

हथौड़े के वार से हुई थी हत्या

मीनाक्षी गोखले की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि उनके सिर पर हथौड़े से वार किया गया था। पुलिस के अनुसार, शरीर पर ऐसी चोटों के स्पष्ट निशान नहीं मिले हैं, जो किसी लंबे संघर्ष या झूमाझटकी की ओर इशारा करें। इससे पुलिस इस संभावना समेत अन्य पहलुओं की जांच कर रही है कि हमला अचानक किया गया था। घटनास्थल की परिस्थितियों और उपलब्ध साक्ष्यों को भी जांच में शामिल किया जा रहा है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि घटना से ठीक पहले घर में क्या हुआ था। घर में मौजूद मीनाक्षी की दोस्त और बच्ची की केयरटेकर कृतिका के शुरुआती बयानों से भी कुछ महत्वपूर्ण बातें सामने आई हैं। हालांकि, पुलिस के अनुसार उनके आधिकारिक बयान दर्ज होना अभी बाकी है।

पवन के परिवार को नहीं थी रिश्ते की जानकारी

जांच में पुलिस को पता चला है कि पवन द्विवेदी के परिवार को मीनाक्षी गोखले के साथ उसके रिश्ते की पूरी जानकारी नहीं थी। स्वजनों को दोनों के बीच परिचय होने की जानकारी जरूर थी, लेकिन पवन मीनाक्षी के साथ रह रहा था, इसकी उन्हें भनक नहीं थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पवन इस रिश्ते को लेकर अकेले मीनाक्षी के पिता से मिलने पहुंचा था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि मीनाक्षी के परिवार से पवन की मुलाकात के दौरान क्या बातचीत हुई थी और इसके बाद दोनों के बीच संबंधों में कोई तनाव आया था या नहीं।

मोबाइल और सीडीआर से खुलेगी घटना की कड़ी

पुलिस ने मीनाक्षी गोखले और पवन द्विवेदी के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। दोनों की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) भी खंगाली जा रही है। जांच का फोकस यह पता लगाने पर है कि घटना से पहले दोनों के बीच कब और कितनी देर बातचीत हुई तथा उनके संपर्क में कौन-कौन लोग थे। पुलिस घटनाक्रम की समय-रेखा तैयार करने के लिए मोबाइल से मिले डेटा और अन्य साक्ष्यों का मिलान कर रही है।

2006 से नई विकास योजना की पैरवी कर रहे मनोज मीक

टाइम लिमिट के साथ लागू किया जाए भोपाल का मास्टर प्लान : क्रेडाई

भोपाल। दोपहर मेट्रो

क्रेडाई भोपाल ने आग्रह किया है कि भोपाल के नए मास्टर प्लान के साथ स्पष्ट समयसीमा, वित्तीय रूपरेखा और जिम्मेदार क्रियान्वयन एजेंसी भी तय की जाए। आवासीय जीवन की सुरक्षा, व्यापार और रोजगार की आवश्यकताओं तथा सड़क, पार्किंग, जलापूर्ति और सीवेज की क्षमता को एक साथ संबोधित करना जरूरी है। उल्लेखनीय है कि भोपाल नए मास्टर प्लान और आवासीय क्षेत्रों में व्यावसायिक गतिविधियों को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में हुई सुनवाई के बाद इसके प्रारूप को प्रकाशित करने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। कोर्ट ने कहा है कि शासन प्रारूप जारी कर आपत्तियाँ और सुझाव आमंत्रित कर सकता है, लेकिन अंतिम प्रकाशन अथवा क्रियान्वयन से पहले न्यायालय की अनुमति आवश्यक होगी।

कोर्ट ने आवासीय क्षेत्रों में अनधिकृत व्यावसायिक उपयोग के विरुद्ध सीलिंग कार्रवाई जारी रखने और निर्देशों के प्रभावी अनुपालन पर जोर दिया है। इसलिए प्रारूप प्रकाशन की अनुमति को अंतिम मास्टर प्लान की स्वीकृति या सभी प्रतिष्ठानों को स्वतः राहत मिलने के रूप में नहीं देखा जा सकता। क्रेडाई भोपाल के अध्यक्ष एवं 'कमाल का भोपाल' अभियान के संस्थापक मनोज सिंह मीक के अनुसार, वे और उनके सहयोगी 2006 से नई भोपाल विकास योजना की मांग उठा रहे हैं। क्रेडाई की संस्थागत पैरवी और बाद में 'कमाल का भोपाल' के नागरिक विमर्श में भी नियोजित विकास, आधारभूत सुविधाओं और क्रियान्वयन की जवाबदेही को प्रमुखता दी गई है।

क्रेडाई का कहना है कि पुरानी योजना के लिए 84 बैठकें होनी थीं लेकिन सिर्फ 3 हुईं। भोपाल विकास योजना 2005 जून 1995 में अधिसूचित हुई थी। उसके बाद लगभग 21 वर्षों तक अंतिम विकास योजना अधिसूचित नहीं हो सकी। इसका अर्थ यह नहीं कि पुरानी योजना का वैधानिक ढाँचा समाप्त हो गया था। रिपोर्ट के अनुसार, विकास योजना 2031 का प्रारूप शासन ने 36 महीने बाद फरवरी 2024 में लौटाया था। ये तथ्य योजना के प्रकाशन के साथ उसकी नियमित निगरानी और क्रियान्वयन की आवश्यकता भी दर्शाते हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंची थी गुहार

क्रेडाई अध्यक्ष मनोज मीक द्वारा भेजा गया एक दस्तावेज प्रधानमंत्री कार्यालय के जनशिकायत पोर्टल पर भी है। मीक का भोपाल के समग्र विकास संबंधी निवेदन 21 नवंबर 2025 को वहां प्राप्त हुआ था। 16 फरवरी 2026 की स्थिति में इसे शिकायत के बजाय 'सुझाव' बताते हुए बंद किया गया। मीक ने दर्ज प्रतिक्रिया में विकास योजना की लंबित स्थिति को शिकायत बताते हुए मास्टर प्लान के अतिशीघ्र प्रकाशन का अनुरोध दोहराया था। क्रेडाई और 'कमाल का भोपाल' की मांग यही है कि राजधानी के विकास को केवल नक्शे तक सीमित न रखा जाए; उसे नागरिक जीवन, पर्यावरण, निवेश और रोजगार से जोड़कर जमीन पर लागू किया जाए।

राजधानी में 'डिजिटल अरेस्ट' कर महिला से 35 लाख रुपए की ठगी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गोविंदपुरा इलाके में साइबर ठगों ने पुलिस अधिकारी बनकर एक महिला को डिजिटल अरेस्ट किया और उसे धमकाया कि उसके नाम से बैंक खाते में आर्तकियों ने सात करोड़ रुपये जमा किए हैं। इसी का डर दिखाकर ठगों ने 35 लाख रुपए ठग लिए। आरोपितों ने वीडियो कॉल पर महिला को पुलिस मुख्यालय जैसा माहौल दिखाया और कहा कि उसे 45 दिन के लिए गिरफ्तार किया जाएगा। बच्चों को भी गिरफ्तारी की धमकी दी।

डर के कारण महिला ने अपनी जमा पूंजी और एफडी की रकम आरोपितों के बताए बैंक खातों में ट्रांसफर कर दी। बाद में लगातार पैसों की मांग होने पर महिला को ठगी का एहसास हुआ। साइबर क्राइम की जांच रिपोर्ट के आधार पर गोविंदपुरा पुलिस ने सोमवार को केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, साकेत नगर निवासी उमा समद्दार एलआइसी और पोस्ट आफिस एजेंट हैं। 23 सितंबर 2025 को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को पुलिस

अधिकारी बताया और महिला से कहा कि उसके नाम से एचडीएफसी बैंक में खाता खुला है।

इस खाते में आतंकियों ने सात करोड़ रुपये जमा किए हैं। इसके चलते पुलिस उसे गिरफ्तार करने वाली है। ऑनलाइन ठगों ने महिला से कहा कि गिरफ्तारी से बचना है तो अपनी जमा पूंजी बताए गए खातों में जमा कर दें, जिसे बाद में वापस कर दिया जाएगा। धमकी से घबराई महिला ने 29 सितंबर 2025 को 21 लाख 57 हजार 815 रुपये बताए गए खाते में जमा कर दिए। इसके बाद आरोपियों ने उसकी एफडी तुड़वाकर दूसरे खाते में रकम जमा करने को कहा। महिला ने 15 अक्टूबर 2025 को करीब आठ लाख रुपये और ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद आरोपितों ने फिर रकम मांगी।

पुस्तकों की प्रति भेंट...

भोपाल। दोपहर मेट्रो के प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया ने लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह से भेंट की। इस अवसर पर उन्हें अपनी पुस्तकों ' दोपहर मेट्रो, एक दशक की पत्रकारिता का दस्तावेज' और 'खबरनवीसी आपबीती- आंखों देखी' की प्रति भेंट की।

वकील से मारपीट जहांगीराबाद थाना प्रभारी सस्पेंड

भोपाल। राजधानी के जहांगीराबाद थाने में एक वरिष्ठ अधिवक्ता के साथ पुलिसकर्मियों द्वारा की गई कथित मारपीट के मामले में पुलिस प्रशासन ने कड़ा एक्शन लिया है। विवाद बढ़ता देख जहांगीराबाद थाना प्रभारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। बैरागढ़ कलां निवासी और 21 वर्षों से वकालत कर रहे वरिष्ठ एडवोकेट राकेश रावल के साथ मंगलवार रात जहांगीराबाद थाना परिसर में मारपीट की घटना सामने आई थी।

5 दिन बंद रहेंगे बैंक, 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

यदि आपको बैंक से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण लेन-देन या काम पूरा करना है, तो अगले 3 दिनों (बुधवार, गुरुवार और शुक्रवार) के भीतर निपटा लें। इसके बाद अगले 5 दिनों तक बैंकिंग सेवाएं पूरी तरह ठप रहेंगी। शनिवार और रविवार के साप्ताहिक अवकाश के तुरंत बाद बैंक कर्मचारियों की 3 दिवसीय हड़ताल के कारण शाखाओं में काम ठप रहेगा। 5 दिनों तक बैंक बंद रहने से आम जनता और व्यापारियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान मुख्य रूप से कई सेवाएं प्रभावित रहेंगी। इसकी वजह से चेक क्लियरेंस प्रक्रिया रुक जाएगी। शाखाओं से कैश जमा और निकासी ठप रहेगी। साथ ही बैंकों में प्रशासनिक और ड्राफ्ट संबंधी काम लटक जाएंगे। वर्तमान में बैंकों में हर दूसरे और चौथे शनिवार को ही छुट्टी होती है। बैंक यूनियनों की प्रमुख मांगें हैं कि सप्ताह में 5 दिन काम की व्यवस्था लागू की जाए। शनिवार की छुट्टी के बदले सोमवार से शुक्रवार तक रोजाना 40 मिनट अतिरिक्त काम करने का प्रस्ताव है।

ब्लिंकिट स्टोर में मिला एक्सपायर्ड बेबी फूड, लिए सैंपल

भोपाल। राजधानी में ऑनलाइन ग्रोसरी स्टोर से लेकर होटल और रेस्टोरेंट तक खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की जांच में कई खामियां सामने आई हैं। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने स्विगी इंस्टामार्ट होटल शुभ इन, मिलन रेस्टोरेंट एवं कैटरिंग और ब्लिंकिट के प्रतिष्ठानों पर जांच की। नेहरू नगर स्थित ब्लिंकिट स्टोर में सबसे गंभीर लापरवाही सामने आई, जहां अमूल स्प्रे शिशु दुग्ध आहार के तीन पैकेट एक्सपायर्ड मिले। इसके अलावा कुछ खाद्य पैकेटों पर लेबलिंग और ब्रांडिंग में भी अनियमितता मिली। विभाग ने संबंधित उत्पादों के स्रोत, बिल, बैच और लेबल संबंधी रिकार्ड की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान चारों प्रतिष्ठानों से खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए हैं। इन्हें प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के तहत कार्रवाई तय होगी।

ऑटो सवार महिला टीचर से झपटा पर्स, मंगलसूत्र-मोबाइल ले उड़े चोर

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पुलिस मुख्यालय के सामने ही बाइक सवार तीन बदमाश ऑटो सवार शिक्षिका का पर्स झपटकर फरार हो गए। मामला देर रात जहांगीराबाद थाना क्षेत्र में हुई।

महिला छतरपुर से भोपाल पहुंची थी और अपने पति के साथ रेलवे स्टेशन से ऑटो लेकर अरेरा कॉलोनी स्थित घर जा रही थी। वारदात के 24 घंटे बाद भी पुलिस आरोपियों का सुराग नहीं लगा सकी है। जहांगीराबाद पुलिस के अनुसार अरेरा कॉलोनी निवासी रितु गुप्ता निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। उनके पति इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं। वह छतरपुर से भोपाल पहुंचीं। रेलवे स्टेशन से पति के साथ ऑटो में बैठकर घर जा रही थीं। इसी दौरान

पीएचक्यू के सामने बाइक सवार तीन बदमाश ऑटो के पास पहुंचे और साइड में लटक रहा उनका पर्स झपट लिया। वारदात के बाद तीनों बदमाश बाइक से फरार हो गए। पर्स में मोबाइल फोन, मंगलसूत्र और अन्य सामान रखा था। घटना के बाद महिला जहांगीराबाद थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

मेट्रो एंकर गैस पीड़ित कैंसर मरीज नूरजहां का आरोप- कार्ड दिखाने के बाद भी निःशुल्क उपचार नहीं मिला

दो-दो कार्ड, फिर भी इमरजेंसी में इलाज के लिए जेब ढीली!

भोपाल। दोपहर मेट्रो

गैस पीड़ितों के लिए निश्शुल्क इलाज की व्यवस्था के बावजूद कैंसर पीड़ित महिला को इमरजेंसी में तत्काल मुफ्त उपचार नहीं मिलने का मामला सामने आया है। गैस पीड़ित के रूप में पंजीकृत नूरजहां के पास गैस राहत विभाग का कार्ड और आयुष्मान कार्ड दोनों हैं। उनका कहना है कि तेज दर्द होने पर वह कैंसर अस्पताल की इमरजेंसी पहुंचीं, लेकिन दोनों कार्ड दिखाने के बावजूद तत्काल निः शुल्क उपचार नहीं मिल सका और उन्हें इलाज पर बाहर से खर्च करना पड़ा।

नूरजहां के अनुसार, आयुष्मान योजना के तहत सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी जांच भी तत्काल नहीं हो पाती हैं। अस्पताल के कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि योजना के तहत उपचार का अप्रूवल आने में 24 से 48 घंटे

लग सकते हैं। इमरजेंसी में दर्द से परेशान मरीज के लिए यह प्रक्रिया परेशानी का कारण बनी। गैस पीड़ितों के लिए काम करने वाली समाजसेविका रचना ढींगरा ने कहा कि गंभीर बीमारी और आपात स्थिति में मरीज को योजना के अप्रूवल का इंतजार नहीं करना चाहिए। उनका कहना है कि यदि गैस राहत का कार्ड होने के बावजूद मरीज को तत्काल इलाज के लिए अपनी जेब से खर्च करना पड़ रहा है तो व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है।

घंटों अप्रूवल में अटका इलाज

नूरजहां का कहना है कि कैंसर के तेज दर्द के चलते वह इमरजेंसी में इलाज के लिए पहुंचीं। उनके पास गैस राहत विभाग का कार्ड और आयुष्मान कार्ड दोनों थे। इसके बावजूद तत्काल निश्शुल्क उपचार नहीं मिल सका। उनका कहना है कि आयुष्मान योजना के तहत सीटी स्कैन और एमआरआई जैसी जांच के लिए भी प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करना पड़ता है। अस्पताल के कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि आयुष्मान योजना के तहत उपचार का अप्रूवल आने में 24 से 48 घंटे तक लग सकते हैं। ऐसे में इमरजेंसी में पहुंचे मरीज के सामने तत्काल उपचार और योजना की औपचारिकताओं के बीच उलझन की स्थिति बन जाती है। नूरजहां के अनुसार, उन्हें उपचार पर अपनी जेब से खर्च करना पड़ा।

दो योजनाओं के बीच फंसे मरीज

समाजसेविका रचना ढींगरा ने कहा कि गंभीर बीमारी और इमरजेंसी की स्थिति में मरीज को उपचार के लिए किसी योजना के अप्रूवल का इंतजार नहीं करना चाहिए। उनका कहना है कि गैस पीड़ितों के लिए निश्शुल्क इलाज की व्यवस्था है और मरीज के पास गैस राहत का कार्ड भी है, तो आपात स्थिति में उसे तत्काल उपचार मिलना चाहिए। यदि मरीज को पहले अपनी जेब से भुगतान करना पड़े, तो व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है।

मध्यप्रदेश में 6,637 करोड़ के 23 शहरी प्रोजेक्ट पर संकट!

कहीं एक फीसदी काम तो कहीं मंजूरियों के फेर में अटका विकास

मुरैना, दोपहर मेट्रो

भोपाल। मध्यप्रदेश के बड़े शहरों में जलापूर्ति और सीवरेज व्यवस्था को मजबूत करने के लिए शुरू की गई करोड़ों रुपये की परियोजनाएं सरकारी मंजूरियों और जमीन संबंधी अड़चनों के बीच धीमी पड़ गई हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की हालिया समीक्षा में 13 नगरीय निकायों की 23 बड़ी परियोजनाओं की स्थिति सामने आई है। इन सभी प्रोजेक्ट की लागत 100 करोड़ रुपये से अधिक है और इन पर कुल 6,637.49 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। समीक्षा में कई परियोजनाओं की वास्तविक प्रगति निर्धारित लक्ष्य की तुलना में काफी कम पाई गई। कुछ योजनाओं में करोड़ों रुपये की लागत के बावजूद काम एक अंक के प्रतिशत तक ही पहुंच सका है।

शहरी विकास परियोजनाओं की धीमी रफ्तार का सबसे प्रमुख उदाहरण इंदौर जलापूर्ति पैकेज-2 है। इस परियोजना की लागत 448.22 करोड़ रुपये है, लेकिन इसकी वास्तविक प्रगति सिर्फ 1 प्रतिशत दर्ज की गई है। इसी तरह ग्वालियर जलापूर्ति पैकेज-2 की लागत 473.76 करोड़ रुपये है, जबकि इसमें केवल 8 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। इन आंकड़ों से बड़े जलापूर्ति प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों का पता चलता है।

भोपाल में जलापूर्ति और सीवरेज योजनाएं भी पीछे- राजधानी भोपाल में भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति अपेक्षाकृत धीमी है। 582.31 करोड़ रुपये की भोपाल जलापूर्ति परियोजना में 24.5 प्रतिशत काम हुआ है। वहीं 472.32 करोड़ रुपये के सीवरेज पैकेज-3 की वास्तविक प्रगति 35.15 प्रतिशत दर्ज की गई। भोपाल सीवरेज पैकेज-2 पर 189.60 करोड़ रुपये खर्च होने हैं और इसकी प्रगति महज 8.10 प्रतिशत है। ये परियोजनाएं शहर की बुनियादी सुविधाओं से सीधे जुड़ी हैं।

इंदौर के तीन प्रोजेक्ट की स्थिति

इंदौर में जलापूर्ति पैकेज-1 की लागत 800.20 करोड़ रुपये है और इसकी वास्तविक प्रगति 18.49 प्रतिशत दर्ज की गई। सीवरेज पैकेज-1 में 331.85 करोड़ रुपये की लागत के मुकाबले 27.41 प्रतिशत काम हुआ है। वहीं सीवरेज पैकेज-2 की लागत 145.07 करोड़ रुपये है और इसकी प्रगति 18.70 प्रतिशत दर्ज की गई है।

ग्वालियर में एक ही क्षेत्र की योजनाओं में अंतर

ग्वालियर जलापूर्ति पैकेज-1 की लागत 458.68 करोड़ रुपये है और इसमें 45 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। इसके मुकाबले पैकेज-2 में 473.76 करोड़ रुपये की लागत के बावजूद केवल 8 प्रतिशत प्रगति दर्ज की गई। दोनों परियोजनाओं के आंकड़े क्रियान्वयन की स्थिति में अंतर को दर्शाते हैं।

रीवा में 78 प्रतिशत, पीथमपुर में 15.35

अन्य शहरों की परियोजनाओं में भी प्रगति अलग-अलग रही। जबलपुर जलापूर्ति परियोजना में 312.10 करोड़ रुपये की लागत के मुकाबले 34 प्रतिशत काम हुआ है। खंडवा सीवरेज परियोजना की लागत 250.81 करोड़ रुपये है और प्रगति 23.96 प्रतिशत दर्ज की गई। रीवा जलापूर्ति परियोजना में 191.16 करोड़ रुपये की लागत के साथ 78 प्रतिशत काम पूरा हुआ है। पीथमपुर सीवरेज परियोजना में 188.41 करोड़ रुपये की लागत के मुकाबले 15.35 प्रतिशत और भिंड सीवरेज परियोजना में 141.98 करोड़ रुपये की लागत के मुकाबले 14.50 प्रतिशत काम हुआ है।

रेलवे और जमीन संबंधी अड़चनें बनी चुनौती

विभागीय समीक्षा के अनुसार कई परियोजनाओं की गति रेलवे, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), वन एवं पर्यावरण संबंधी मंजूरियों तथा जमीन से जुड़े मामलों से प्रभावित हो रही है। इन अड़चनों के कारण परियोजनाओं के काम में देरी हो रही है। अब इन योजनाओं को गति देने के लिए मंजूरियों और जमीन संबंधी समस्याओं का समाधान महत्वपूर्ण होगा।

इंदौर का 448 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट, काम कुछ नहीं हुआ

सीएम मोहन यादव ने बेंगलुरु में निवेशकों को दिया भरोसा

टेलीकॉम सेक्टर का नया केंद्र बनेगा एमपी ग्वालियर में टेक्नोलॉजी क्रांति की तैयारी!

5,500 करोड़ के निवेश पर 24 कंपनियों की नजर, पहले चरण में निवेश करने वालों को मिलेंगी खास रियायतें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश को आधुनिक तकनीक और औद्योगिक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में मोहन सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। ग्वालियर में विकसित किए जा रहे देश के पहले टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन में निवेश आकर्षित करने के लिए बेंगलुरु में राउंड टेबल बैठक आयोजित की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेशकों से संवाद करते हुए प्रदेश की भौगोलिक स्थिति, बिजली उपलब्धता, बुनियादी ढांचे और उद्योग अनुकूल नीतियों को राज्य की प्रमुख ताकत बताया।

उन्होंने कहा कि पिछले पौने तीन वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश मध्यप्रदेश में आ चुका है। मुख्यमंत्री ने बताया कि ग्वालियर का टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन केंद्र और राज्य सरकार के संयुक्त प्रयास का परिणाम है। यहां उत्पादों के डिजाइन, विकास, निर्माण, परीक्षण, प्रमाणन और निर्यात तक की पूरी उत्पादन श्रृंखला विकसित की जाएगी। प्रस्तावित क्षेत्र में 5जी-6जी उपकरण, ऑप्टिकल फाइबर, सैटेलाइट संचार उपकरण, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और अन्य दूरसंचार उत्पादों के निर्माण की योजना है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह परियोजना देश को सेवा आधारित अर्थव्यवस्था से उत्पाद और डिजाइन आधारित अर्थव्यवस्था की ओर ले जाने के प्रयासों का हिस्सा है।

8 हजार करोड़ के प्रोत्साहन पैकेज का दावा

बैठक में केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि 12 हजार करोड़ रुपये के पूंजीगत निवेश पर करीब 8 हजार करोड़ रुपये का वित्तीय प्रोत्साहन पैकेज तैयार किया गया है। इसमें बिजली, पंजीकरण शुल्क और कौशल प्रशिक्षण से जुड़ी सुविधाएं भी शामिल हैं। केंद्र और राज्य के 51:49 संयुक्त विशेष प्रयोजन निकाय के माध्यम से निवेशकों की समस्याओं का 48 घंटे में समाधान सुनिश्चित करने की बात कही गई। अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई ने बताया कि 170 एकड़ के विकसित पार्क में निवेशकों को नाममात्र टोकन प्रीमियम पर भूमि, 30 वर्षों के लिए एक रुपये प्रति वर्ग मीटर लीज रेंट और शत-प्रतिशत स्टाम्प शुल्क छूट का प्रावधान है। इसके अलावा, संयंत्र और मशीनरी पर 50 प्रतिशत प्रत्यक्ष पूंजीगत अनुदान, पांच वर्षों तक बिजली पर दो रुपये प्रति यूनिट सब्सिडी और कर्मचारियों के लिए आर्थिक सहायता का प्रावधान किया गया है।

24 कंपनियों ने शुरू की आवेदन प्रक्रिया

जुलाई 2026 में परियोजना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद दिल्ली और मुंबई में निवेशक सम्मेलन आयोजित किए गए। इन सम्मेलनों से लगभग 5,500 करोड़ रुपये के निवेश और 18 हजार रोजगार अवसरों से जुड़े प्रस्ताव सामने आने की जानकारी दी गई। अब 24 कंपनियों ने ग्वालियर जोन में इकाइयां स्थापित करने के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की है।

ग्वालियर की कनेक्टिविटी तकनीकी क्षमता पर जोर

सिंधिया ने ग्वालियर की दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु से हवाई कनेक्टिविटी, प्रस्तावित एक्सप्रेस-वे, नए एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन जैसी परियोजनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में उपलब्ध तकनीकी मानव संसाधन विनिर्माण गतिविधियों के विस्तार में मददगार होंगे। बैठक में उद्योगपतियों ने मध्यप्रदेश की निवेश नीतियों, पारदर्शी व्यवस्था और साझा परीक्षण प्रयोगशालाओं की सराहना की। कई कंपनियों ने आगामी वैश्विक निवेशक सम्मेलन में भागीदारी और ग्वालियर में इकाइयां स्थापित करने में रुचि दिखाई।

कर्मचारियों के प्रमोशन की राह आसान

45 साल से अधिक उम्र के कर्मचारियों को सीपीसीटी से मिलेगी छूट, हजारों को फायदा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चतुर्थ से तृतीय श्रेणी में पदोन्नति के आड़े आ रही कम्प्यूटर दक्षता प्रमाणीकरण परीक्षा (सीपीसीटी) उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता से कर्मचारियों को छूट देने की तैयारी है। ऐसे कर्मचारी, जिनकी आयु 45 वर्ष से अधिक हो चुकी है, उन्हें छूट दी जाएगी।

इससे कम आयु के कर्मचारियों को सीपीसीटी करने के लिए पांच वर्ष का समय दिया जाएगा। किसी भी पदोन्नत कर्मचारी को पदावनत भी नहीं किया जाएगा। प्रदेश के लगभग 22 हजार से अधिक कर्मचारियों को इसका लाभ मिलेगा। अनुकंपा नियुक्ति वाले कर्मचारियों की भी लंबे समय से रुकी हुई पदोन्नति अब हो सकेगी।

प्रदेश में लगभग एक लाख अधिकारियों-कर्मचारियों को पदोन्नति नियम-2025 के प्रविधान के अनुसार राज्य सरकार पदोन्नत कर चुकी है। इसमें अब तक चतुर्थ श्रेणी के वे कर्मचारी पदोन्नत नहीं हो पाए हैं, जिन्होंने सीपीसीटी उत्तीर्ण नहीं की है। इसके आधार पर कृषि, उद्योग सहित अन्य विभागों ने पदोन्नति निरस्त कर दीं। दरअसल, सामान्य प्रशासन विभाग ने उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मांगे गए मार्गदर्शन के आधार पर स्पष्टीकरण जारी किया कि सीपीसीटी से छूट का कहीं कोई प्रविधान नहीं है। 2010 में पदोन्नत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को हिंदी मुद्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण करने के प्रविधान से छूट दी गई थी, इसलिए जिन अधिकारियों ने गलत व्याख्या करके पदोन्नति दी हैं, उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाए। इसके बाद किसी विभाग ने चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को पदोन्नति नहीं दी।

एक-दो दिन में जारी होंगे विस्तृत दिशानिर्देश

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने इसका विरोध करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सीपीसीटी की अनिवार्यता से छूट देने की मांग की तो मुख्यमंत्री ने सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को रास्ता निकालने के निर्देश दिए। इस पर अब यह प्रविधान किया जा रहा है कि जिन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की आयु 45 वर्ष से अधिक है, उन्हें पदोन्नति के लिए सीपीसीटी से छूट दी जाए। वहीं, इसे उत्तीर्ण करने की अवधि दो से बढ़ाकर पांच वर्ष करने के साथ केवल इस आधार पर किसी कर्मचारी को पदावनत नहीं किया जाएगा कि उसने सीपीसीटी उत्तीर्ण नहीं की है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि सीपीसीटी को लेकर स्पष्ट दिशानिर्देश एक-दो दिन में जारी कर दिए जाएंगे। इससे पदोन्नति में जो समस्या आ रही थी, वह दूर हो जाएगी।

एक साथ 587 अनुकम्पा नियुक्ति दे रहा स्कूल शिक्षा विभाग

सहायक ग्रेड 3 के पद पर दी जा रही नौकरी प्रमोशन से खाली हुए पद तो मिला मौका

भोपाल, दोपहर मेट्रो

900 केस थे पेंडिंग, अब सिर्फ 313 बचेंगे

ढाई लाख से अधिक के शैक्षणिक अमले वाले स्कूल शिक्षा विभाग में अनुकम्पा नियुक्ति के 900 मामले पेंडिंग थे। आयुक्त अभिषेक सिंह की सख्ती के बाद अब यहां 587 मामलों में आदेश जारी होते ही पेंडिंग मामलों की संख्या 313 रह जाएगी। इनमें भी नियुक्ति के आदेश प्रमोशन से पद रिक्त होने के साथ जारी किए जाने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदेश भर में अनुकंपा नियुक्ति के पेंडिंग मामलों की समीक्षा किए जाने के पहले विभागों ने इसके लिए तेजी से कार्यवाही शुरू कर दी है। स्कूल शिक्षा विभाग ने तो इसके लिए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को तलब कर अनुकम्पा नियुक्ति के पेंडिंग प्रकरणों की जानकारी लेने के बाद सहायक ग्रेड तीन के 587 पदों पर नियुक्ति के आदेश जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद मंगलवार शाम तक 400 से अधिक पदों पर अनुकम्पा आधार पर नियुक्ति के आदेश भी जारी कर दिए गए। एक साथ यह नियुक्तियां प्रमोशन से रिक्त हुए पदों की संख्या के आधार पर की जा रही हैं।

लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को बुलाकर पहले नियुक्ति की पेंडेंसी की जानकारी ली और फिर इसके कारण जिला शिक्षा अधिकारियों से पूछे। बताया जाता है कि सालों से केस लटकाकर रखने वाले जिला शिक्षा अधिकारियों ने इस मामले में टालमटोल करने की कोशिश की तो आयुक्त ने सभी को मंगलवार को ही नियुक्ति आदेश जारी करने के लिए निर्देशित कर दिया।

कूनो में 27 चीतों की मौत के बाद भी सच छिपा रहा प्रबंधन!

अब तक 10 वयस्क चीते और 17 शावक गंवा चुके हैं जान

इलाज - निगरानी पर गंभीर सवाल

श्योपुर, दोपहर मेट्रो

महत्वाकांक्षी चीता पुनर्स्थापना योजना के तहत मध्य प्रदेश के श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में बसाए गए चीतों व शावकों के जीवित रहने की दर भले ही अंतरराष्ट्रीय मानकों के हिसाब से संतोषजनक बताई जा रही हो, लेकिन चीतों की मौत पर सवाल उठ रहे हैं। सोमवार को दम तोड़ने वाले गौरव चीता से पहले कई चीते ऐसे रहे, जिन्हें बीमार देखकर उपचार के लिए अस्पताल तो लाया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। इससे उपचार और निगरानी व्यवस्था सवालों के घेरे में है। कूनो प्रबंधन की ओर से कभी भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट के हवाले से मृत्यु का कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। यही कारण है कि वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने सूचना के अधिकार के तहत भी एक जनवरी 2024 से अब तक मृत चीतों से संबंधित पोस्टमार्टम रिपोर्ट मांगी है, ताकि चीतों की मौत का सच सामने आ सके।

बता दें कि अब तक दक्षिण अफ्रीकी देशों से लाए गए 29 चीतों में से 10 चीतों की मौत हो चुकी है। वहीं यहां जन्म लेने वाले 53 शावकों में से 17 दम तोड़ चुके हैं। हालांकि चार साल पहले शुरू हुए चीता प्रोजेक्ट में विशेषज्ञों की आशंका के विपरीत यह स्थिति काफी बेहतर है। फिर भी बीमार चीतों के बारे में उनके अति गंभीर हो जाने पर ही पता चल पा रहा है। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि समय रहते चीतों की बीमारी ट्रैक क्यों नहीं हो पा रही है, जिससे उन्हें उपचार कर बचाया जा सके। कूनो प्रबंधन के अनुसार चीता गौरव भी 12 सितंबर को निगरानी दल को बीमार नजर आया था।

इलाज में लापरवाही के आरोपों को किया खारिज

मध्यप्रदेश की पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ डॉ. समीता राजौरा ने कूनो में गौरव चीते की मौत को लेकर कहा कि चीते समेत अन्य वन्यजीवों के उपचार और निगरानी में कोई लापरवाही नहीं बरती जा रही है। उन्होंने बताया कि गौरव को बचाने के लिए डॉक्टरों ने हरसंभव प्रयास किए और विदेश के चीता विशेषज्ञों से लगातार संपर्क बनाए रखा। वन्यजीव संस्थान, देहरादून की सेवाएं भी नियमित रूप से ली जाती हैं। उनके अनुसार, गौरव की किडनी में कई गंभीर समस्याएं थीं, जिसके कारण उसे बचाया नहीं जा सका। पोस्टमार्टम से जुड़े सवालों के जवाब निर्धारित प्रारूप और मापदंड के अनुसार दिए जाएंगे।

गरबा पंडालों की एंट्री पर उषा ठाकुर का बड़ा बयान

हर साल 4.5 लाख लड़कियां भाग जाती हैं, पैदा होते हैं 9 लाख बच्चे

इंदौर, दोपहर मेट्रो

शारदीय नवरात्रि और गरबा आयोजनों के शुरू होने से पहले मध्यप्रदेश की राजनीति में गरबा पंडालों में प्रवेश को लेकर बयानबाज़ी तेज हो गई है। इंदौर में पूर्व मंत्री और भाजपा नेत्री उषा ठाकुर का एक बार फिर गरबा पंडालों में प्रवेश और आयोजनों के बदलते स्वरूप को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने गरबा आयोजनों के दौरान 'गैर-हिंदुओं' के प्रवेश पर पूरी तरह रोक लगाने की वकालत की है।

उषा ठाकुर ने कहा कि गरबा मूल रूप से धार्मिक आस्था, शक्ति की साधना और मातृशक्ति के व्यक्तित्व विकास से जुड़ा पर्व है। उन्होंने दावा किया कि कुछ लोग अपनी पहचान छिपाकर या नाम बदलकर गरबा पंडालों में प्रवेश करते हैं और युवतियों को भ्रमित करते हैं। उन्होंने ऐसे लोगों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगाने की मांग की जो मूर्ति पूजा में विश्वास नहीं रखते। 4.5 लाख लड़कियों का दावा, लेकिन आंकड़े का आधार नहीं बताया

पूर्व मंत्री ने दावा किया कि हर साल गरबा आयोजनों के दौरान करीब 4.5 लाख लड़कियां 'विधर्मियों' के साथ चली जाती हैं और इससे हर साल करीब 9 लाख की दर से जनसांख्यिकी में बदलाव हो रहा है।

मेट्रो एंकर | बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में विज्ञान और इनोवेशन का संगम

भोपाल विज्ञान मेले में छात्रों का कमाल! नवाचारों ने चौंकाया

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय परिसर में भोपाल विज्ञान मेला-2026 का आगाज हुआ। पांच दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में विद्यार्थियों ने विज्ञान को किताबों से निकालकर रोजमर्रा की जिंदगी की चुनौतियों से जोड़ने का प्रयास किया है। विज्ञान भारती, मध्य भारत प्रांत, मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद और बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के संयुक्त आयोजन में छात्र-छात्राओं ने 100 से अधिक नवाचार परियोजनाएं प्रदर्शित की हैं। कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा, सुरक्षा और कचरा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में तैयार किए गए मॉडल लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं। मेले के 'नवाचार संगम' में विद्यार्थियों ने ऐसी तकनीकी अवधारणाएं प्रस्तुत की हैं, जिनका उद्देश्य आम लोगों की समस्याओं का व्यावहारिक समाधान खोजना है। सागर पब्लिक स्कूल की छात्रा ने दोपहिया वाहनों के लिए जीपीएस से लैस कैमरा तैयार किया है। किसी घटना की स्थिति में यह कैमरा ई-मेल के माध्यम से सूचना भेजने की व्यवस्था पर आधारित है।

वहीं, कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल गोविंदपुरा की काम्या रावत और मान्या कश्यप ने गुजरात के खंभाती कुएं की तर्ज पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़ा 'एक्यूलक्स' मॉडल तैयार किया है। अरेरा कॉलोनी स्थित सेंट जोसेफ स्कूल की कक्षा नौ के विद्यार्थियों ने सौर ऊर्जा से चलने वाला टिकाऊ ठेला बनाया है। इन परियोजनाओं में विद्यार्थियों ने समस्या की पहचान से लेकर उसके अध्ययन, प्रयोग और मॉडल निर्माण तक की प्रक्रिया अपनाई है। मेले में क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र की प्रदर्शनी भी विद्यार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। यहां विज्ञान के सिद्धांतों को दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली तकनीकों के माध्यम से समझाया जा रहा है। विद्यालयों में पढ़ाए जाने वाले गणितीय सिद्धांतों का बड़े वैज्ञानिक प्रयोगों और अवधारणाओं में किस प्रकार उपयोग होता है, इसे भी प्रदर्शित किया गया है।

आईआईटी और वैज्ञानिक संस्थाओं की भागीदारी

भोपाल विज्ञान मेले के महाप्रदर्शन में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, मैपकॉस्ट, राजा रमन्ना प्रगत प्रौद्योगिकी केंद्र, एनटीपीसी, कोल इंडिया और गेल सहित लगभग 53 वैज्ञानिक संस्थाएं, उद्योग एवं संगठन भाग ले रहे हैं। इनके प्रदर्शनी स्थल पर वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी विकास और विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। मैपकॉस्ट के ग्रामीण प्रौद्योगिकी मंडप में शिल्पकारों, नवाचारियों और स्वयंसेवी संस्थाओं के कार्य 45 प्रदर्शनी स्थलों के माध्यम से प्रस्तुत किए गए हैं।

सेहत पर बड़ा सवाल

हमारे घरों की रसोई बदल रही है और उसके साथ बीमारियों का चेहरा भी। कभी भोजन की चिंता पेट भरने तक सीमित थी, अब सवाल यह है कि हमारी थाली में जो पहुंच रहा है, वह शरीर के लिए कितना सुरक्षित है। चमकदार पैकेट सुविधा और स्वाद का वादा करते हैं, लेकिन उनके भीतर जरूरत से ज्यादा चीनी, नमक और वसा भी छिपी हो सकती है। इसीलिए पैकेज्ड खाद्य पदार्थों पर लाल रंग के षट्कोणीय चेतावनी लेबल का प्रस्ताव महज एक नियामकीय बदलाव नहीं, उपभोक्ता के अधिकार से जुड़ा सवाल है। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) की प्रस्तावित व्यवस्था में 'हाई शुगर', 'हाई साल्ट' और 'हाई फैट' जैसे संकेत सामने से स्पष्ट दिखाई देने की बात है। सुप्रीम कोर्ट ने भी चेतावनी लेबल में देरी को लेकर चिंता जताई है और बच्चों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की जरूरत रेखांकित की है। यह चिंता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की स्वास्थ्य तस्वीर बदल चुकी है। कुपोषण और संक्रामक रोगों की चुनौती अभी मौजूद है, लेकिन इनके साथ मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग जैसी गैर-संचारी बीमारियां भी गंभीर होती जा रही हैं। बदलती जीवनशैली, शारीरिक निष्क्रियता और असंतुलित खान-पान ने इस संकट को और जटिल बनाया है। विडंबना यह है कि जिस देश की भोजन परंपरा दाल, अनाज, सब्जियों, फलों, दूध और मसालों के संतुलित इस्तेमाल पर टिकी रही, वहां भोजन का बड़ा हिस्सा अब पैकेट की डिजाइन और विज्ञापन की भाषा से प्रभावित हो रहा है। सुविधा ने रसोई में जगह बनाई और बाजार ने स्वाद को स्वास्थ्य से आगे कर दिया। सबसे अधिक चिंता बच्चों को लेकर होनी चाहिए। आकर्षक पैकेजिंग और विज्ञापन उन्हें ऐसे उत्पादों की ओर खींचते हैं, जिनके नियमित सेवन के दीर्घकालिक प्रभाव स्वास्थ्य के लिए चिंता का विषय हो सकते हैं। इसलिए पैकेट पर लाल निशान केवल चेतावनी नहीं, अभिभावकों के लिए भी एक सवाल है-क्या सुविधा भविष्य की सेहत की कीमत पर खरीदी जा रही है? हालांकि केवल लेबल लगा देना पर्याप्त नहीं होगा। उपभोक्ता जागरूकता, पोषण शिक्षा, जिम्मेदार विज्ञापन और खाद्य उद्योग की पारदर्शिता भी जरूरी है। चेतावनी तभी असरदार होगी, जब उसे पढ़ने और समझने की आदत विकसित होगी।

ग्लोबल वार्मिंग की स्थिति गंभीर... धरती की गर्म हो रही सांस बढ़ते खतरे की घंटी

मनोज कुमार अग्रवाल
स्तंभकार

बढ़ता वैश्विक तापमान वाकई मानव सभ्यता और हमारी धरती के लिए एक गंभीर खतरे की घंटी है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम और दुनिया भर के वैज्ञानिकों की ताजा रिपोर्टों के अनुसार, 2015 से 2025 तक के साल इतिहास के सबसे गर्म 11 साल दर्ज किए गए हैं और पृथ्वी का औसत तापमान लगातार 1.5 डिग्री सेल्सियस की खतरनाक सीमा को पार करने की ओर बढ़ रहा है।ग्लोबल वार्मिंग और मौसम के इस बदलते मिजाज के मुख्य कारण, उनके प्रभाव की गंभीरता को समझा जा सकता है।

आपको बता दें कि धरती के बढ़ते औसत तापमान और उससे पैदा हो रहे जलवायु संकट को अब भविष्य की आशंका मानकर टालने का समय नहीं रहा। दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से सामने आ रहे वैज्ञानिक आंकड़े इस बात के स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि ग्लोबल वार्मिंग का प्रभाव हमारी कल्पना से कहीं अधिक तेज और व्यापक हो चुका है। ध्रुवीय क्षेत्रों में पिघलती बर्फ, बढ़ता समुद्री जलस्तर, महासागरों का गर्म होना, मौसम की चरम घटनाएं और अल नीनो जैसी समुद्री परिस्थितियों का लगातार शक्तिशाली होना आने वाले वर्षों के लिए गंभीर चेतावनी है। हाल ही में वैज्ञानिक पत्रिका साइंटिफिक डेटा में प्रकाशित एक रिपोर्ट ने दुनिया भर के वैज्ञानिकों और नीति-निर्माताओं को गहरे संकट में डाल दिया है। यह रिपोर्ट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं, बल्कि हमारी धरती पर मंडराते अस्तित्व के खतरे का एक गंभीर घोषणापत्र है। रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि वर्ष 1979 से अब तक ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका के ग्लेशियरों से लगभग 12.5 ट्रिलियन टन (11.3 लाख करोड़ मीट्रिक टन) बर्फ पिघल चुकी है। इस पिघली हुई बर्फ की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि यदि इसे पूरे अमेरिका महाद्वीप पर फैला दिया जाए, तो वहां 5 फीट गहरी बर्फ की चादर बिछ जाएगी। बर्फ का यह पिघलाव केवल ग्लेशियरों के सिमटने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह करीब 3 क्वाड्रिलियन गैलन (11.3 क्वड्रिलियन लीटर) पानी में तब्दील हो चुका है। इसके परिणामस्वरूप 1979 से लेकर अब तक दुनिया भर में समुद्र का जलस्तर लगभग 3.1 सेंटीमीटर (1 इंच) बढ़ चुका है। सुनने में। इंच का यह आंकड़ा भले ही मामूली लगे, लेकिन जैसा कि नार्थम्ब्रिया यूनिवर्सिटी को आइस साइंटिस्ट इनेस ओतोसाका चेतावनी देती हैं, इसके परिणाम अत्यंत भयानक हैं। समुद्र का जलस्तर हर एक-तिहाई इंच बढ़ने पर दुनिया भर के 20 से 30 लाख लोगों के इलाकों में हर साल कम से कम एक बार विनाशकारी बाढ़ आने का खतरा पैदा हो जाता है। तटीय शहर और द्वीप धीरे-धीरे जलसमाधि की ओर बढ़ रहे हैं। इस संकट का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बर्फ केवल गर्म हवा के कारण नहीं पिघल रही। महासागरों का बढ़ता तापमान ग्लेशियरों को नीचे और किनारों से कमजोर कर रहा है। गर्म समुद्री पानी बर्फ की विशाल परतों को काट रहा है, जिससे ग्लेशियर तेजी से टूटकर समुद्र में पहुंच रहे हैं। कुछ ग्लेशियरों के पीछे हटने की गति इतनी अधिक दर्ज की गई है कि वैज्ञानिक भी इसे गंभीर अस्थिरता के संकेत के रूप में देख रहे हैं। बीते पांच दशकों के आंकड़े एक और महत्वपूर्ण तस्वीर सामने रखते हैं। पिछली सदी के सातवें, आठवें और नौवें दशक तक ध्रुवीय बर्फ की स्थिति अपेक्षाकृत स्थिर थी, लेकिन उसके बाद पिघलाव की रफ्तार तेजी से बढ़ी। विशेष रूप से पिछले डेढ़ दशक में यह परिवर्तन अधिक स्पष्ट दिखाई दिया है। कुछ वर्षों में भारी हिमपात या अन्य प्राकृतिक परिस्थितियों के कारण पिघलने की गति अस्थायी रूप से कम अवश्य हुई, लेकिन इससे दीर्घकालीन खतरा समाप्त नहीं हुआ। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव था, स्थायी सुधार नहीं। इसी बीच प्रशांत महासागर में अल नीनो की मजबूत होती स्थिति ने चिंताओं को और बढ़ा दिया है। समुद्र की सतह के साथ-साथ भीतर जमा असामान्य गर्म पानी वैश्विक मौसम तंत्र को प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अल नीनो का प्रभाव केवल प्रशांत महासागर तक सीमित नहीं रहता। इसके कारण दुनिया के विभिन्न भागों में में कहीं सूखा, कहीं अत्यधिक वर्षा, कहीं भीषण गर्मी और कहीं जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं। भारत के संदर्भ में भी यह विशेष चिंता का विषय है। भारतीय मानसून का संबंध केवल एक समुद्री परिस्थिति से नहीं है, फिर भी प्रशांत महासागर में होने वाले बड़े बदलाव मानसूनी हवाओं को प्रभावित कर सकते हैं। इसलिए अल नीनो को लेकर किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना उचित नहीं होगा, लेकिन इसके जोखिम को नजरअंदाज करना भी गंभीर भूल होगी। भारत पहले ही अत्यधिक गर्म दिनों, अचानक होने वाली भारी बारिश, बादल फटने, भूस्खलन और बाढ़ जैसी घटनाओं में बढ़ोतरी महसूस कर रहा है। हिमालयी क्षेत्र के लिए यह खतरा और भी गंभीर है। बढ़ते तापमान के कारण हिमनदों और ऊंचाई वाले क्षेत्रों की बर्फ के व्यवहार में बदलाव आ रहा है। बर्फ, चट्टानों और हिमनद झीलों से जुड़ी अचानक घटनाएं नीचे बसे इलाकों के लिए विनाशकारी बन सकती हैं। इसलिए अब मौसम संबंधी चेतावनी

प्रणाली को केवल वर्षा और तूफान तक सीमित रखने से काम नहीं चलेगा। हिमनदों, पर्वतीय झीलों, बर्फ के खिसकने और चट्टानों की अस्थिरता पर भी लगातार निगरानी आवश्यक है। वैज्ञानिक लगातार इस बात पर जोर दे रहे हैं कि कुछ मिनट पहले मिलने वाली विश्वसनीय चेतावनी भी हजारों लोगों के जीवन और संपत्ति को बचा सकती है। भारत जैसे विशाल और भौगोलिक रूप से विविध देश के लिए आधुनिक उपग्रहों, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित मौसम पूर्वानुमान और स्थानीय स्तर की चेतावनी व्यवस्था का विस्तार बेहद जरूरी हो गया है। केंद्र और राज्य सरकारों के साथ विश्वविद्यालयों तथा वैज्ञानिक संस्थानों को इस दिशा में मिलकर काम करना होगा। यह भी समझाना होगा कि जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तत्काल समाप्त होने वाला नहीं है। यदि दुनिया आज से ही तापमान बढ़ाने वाली गैसों के उत्सर्जन में भारी कमी कर दे, तब भी महासागरों और हिमनदों में जमा पिछले दशकों की गर्मी का असर लंबे समय तक दिखाई देता रहेगा। यही कारण है कि जलवायु संकट से निपटने की रणनीति दो स्तरों पर होनी चाहिए। पहला, कार्बन उत्सर्जन और प्रदूषण को तेजी से कम करना और दूसरा, उन परिवर्तनों के लिए समाज और बुनियादी ढांचे को तैयार करना जिन्हें अब पूरी तरह रोका नहीं जा सकता। शहरों में हरित क्षेत्रों का विस्तार, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा, ऊर्जा के स्वच्छ स्रोतों का इस्तेमाल, जंगलों की सुरक्षा, जल स्रोतों का संरक्षण और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण अब केवल पर्यावरण से जुड़े विषय नहीं हैं। ये आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा के सवाल बन चुके हैं।

दुनिया भर में भयानक हीटवेव , बेमौसम भारी बारिश, जंगलों की आग और भयंकर सूखे की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। उदाहरण के लिए, यूरोप इस समय सबसे तेजी से गर्म होने वाला महाद्वीप बन चुका है। प्रशांत महासागर में उठने वाले एल नीनो के कारण वैश्विक मौसमी सिस्टम बिगड़ रहा है, जिससे कई देशों में सूखा और कहीं बाढ़ आ रही है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और वैज्ञानिकों के अनुसार, तापमान बढ़ने से ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। यदि यही स्थिति रही, तो समुद्र का जलस्तर बढ़ने से दुनिया के कई प्रमुख तटीय शहर समुद्र में समा सकते हैं। अत्यधिक गर्मी के कारण फसलों की बर्बादी, जल संकट जैसे जलाशयों के जलस्तर में ऐतिहासिक गिरावट और हीट स्ट्रोक जैसी जानलेवा बीमारियां बढ़ रही हैं।धरती के गर्म होने के पीछे इंसानी गतिविधियां और जीवाश्म ईंधन जैसे - कोयला, तेल और गैस का अंधाधुंध इस्तेमाल है। इनसे निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें जैसे कार्बन डाइऑक्साइड सूर्य की गर्मी को अंतरिक्ष में वापस जाने से रोकती हैं, जिससे पृथ्वी का ऊष्मा असंतुलन पिछले दो दशकों में दोगुना हो चुका है।समय पर नहीं जागे तो बहुत देर हो जाएगी।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

धर्म, स्त्री समानता और अक्षरधाम की परम्पराओं में सशक्तिकरण की भूमिका

विवेक रंजन श्रीवास्तव
स्तंभकार

किसी धार्मिक संस्था की पहचान केवल उसके भव्य मंदिरों और सामाजिक सेवाओं से नहीं होती, बल्कि इस बात से भी होती है कि वह स्त्री को किस दृष्टि से देखती है। एक स्वतंत्र चेतना, समान अधिकारों वाली मनुष्य या निर्धारित धार्मिक भूमिकाओं तक सीमित व्यक्तित्व के रूप में।

बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) अर्थात बाप्स के संदर्भ में यह प्रश्न इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसकी धार्मिक-सांस्कृतिक उपस्थिति भारत से बढ़ते हुए अमेरिका, लंदन, संयुक्त अरब अमीरात और दुनिया के अनेक देशों तक विस्तृत हो चुकी है। बाप्स की परंपरा भगवान स्वामीनारायण के सामाजिक सुधारों, महिला-केंद्रित गतिविधियों और स्त्री-पुरुष के लिए पृथक धार्मिक व्यवस्थाओं से जुड़ी रही है। संस्था महिलाओं के सम्मान, सेवा और सशक्तीकरण को महत्व देने का दावा करती है। उसके विभिन्न केंद्रों में महिलाओं के लिए धार्मिक सभाएँ, सांस्कृतिक आयोजन और सामाजिक गतिविधियाँ संचालित होती हैं। किंतु स्त्री विमर्श का प्रश्न केवल महिला सहभागिता तक सीमित नहीं है। वह यह भी पूछता है कि क्या महिलाओं को निर्णय लेने, नेतृत्व करने और अपनी स्वतंत्र पसंद के अनुसार जीवन जीने के समान अवसर प्राप्त हैं। महिला की सुरक्षा और महिला की स्वायत्तता , दोनों महत्वपूर्ण हैं, लेकिन दोनों को एक-दूसरे का विकल्प नहीं बनाया जा सकता। स्वैच्छिक धार्मिक अनुशासन व्यक्ति की स्वतंत्रता का हिस्सा हो सकता है , परंतु किसी महिला की पेशेवर भूमिका या सार्वजनिक उपस्थिति को केवल उसके लिंग के आधार पर सीमित करना समानता और स्त्री गरिमा का प्रश्न खड़ा करता है। बाप्स का वैश्विक विस्तार इस विमर्श को और महत्वपूर्ण बनाता है। अमेरिका में उसके अनेक मंदिर और सामुदायिक केंद्र हैं। लंदन का निस्डेन मंदिर ब्रिटेन में उसकी प्रमुख धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान है। अबू धाबी का बाप्स हिन्दू मंदिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय धार्मिक विरासत की उपस्थिति का उदाहरण है। भारत में उसके मंदिर और सामाजिक गतिविधियाँ लंबे समय से सक्रिय हैं। इन देशों के अलग-अलग कानूनी और सामाजिक संदर्भों में संस्था के लिए चुनौती यह है कि वह अपनी धार्मिक परंपराओं को बनाए रखते हुए स्थानीय नागरिक अधिकारों और स्त्री समानता के सिद्धांतों के साथ किस प्रकार संवाद स्थापित करती है।

सितंबर 2026 में पेरिस के एफिल टावर पर बाप्स से जुड़े प्रतिनिधिमंडल की यात्रा के दौरान महिला कर्मचारियों को ड्यूटी से हटाने को लेकर विवाद सामने आया। कर्मचारी प्रतिनिधियों के अनुसार, कुछ महिलाओं को प्रतिनिधिमंडल के सामने आने से दूर रखने के लिए ड्यूटी चार्ट बदला गया, जिसके बाद कर्मचारियों ने इसका विरोध स्त्री समानता के मुद्दे को लेकर किया और इससे एफिल टावर का संचालन प्रभावित हुआ।

बाप्स ने महिलाओं को ड्यूटी से हटाने संबंधी निवेदन करने से इनकार किया तथा जन सामान्य को हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया।

पेरिस प्रशासन ने प्रकरण की जांच की बात कही। इस घटना ने धार्मिक अपेक्षाओं, सार्वजनिक संस्थान की जिम्मेदारी और कार्यस्थल पर लैंगिक समानता के प्रश्नों को सामने रखा। आरोपों की अंतिम पुष्टि और जिम्मेदारी का निर्धारण जांच के निष्कर्षों पर निर्भर करेगा। इस प्रसंग को किसी धर्म के विरुद्ध आरोप-पत्र के रूप में देखना उचित नहीं होगा। मूल प्रश्न यह है कि धार्मिक स्वतंत्रता और दूसरे व्यक्ति की समान गरिमा के बीच संतुलन कैसे स्थापित किया जाए।

यह प्रश्न केवल बाप्स का नहीं, बल्कि विश्व की

प्रत्येक धार्मिक संस्था का है जो बहुलतावादी समकालीन समाज में कार्य करती हैं। बाप्स के भविष्य के संदर्भ में महिलाओं की भूमिका पर गंभीर संवाद उपयोगी हो सकता है। महिला-केंद्रित गतिविधियाँ और सेवा कार्य महत्वपूर्ण हैं, लेकिन स्त्री सशक्तीकरण का व्यापक अर्थ निर्णय-क्षमता, नेतृत्व, शिक्षा, स्वतंत्र अभिव्यक्ति और स्वैच्छिक सहभागिता से भी जुड़ा है। संस्था की वास्तविक स्थिति का मूल्यांकन उसके आधिकारिक नियमों, व्यवहार और महिलाओं के अनुभवों के आधार पर किया जाना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज, विभिन्न चर्च में नंस, मस्जिदों में महिलाओं के प्रवेश और नमाज पढ़ने के अधिकार आदि आदि संस्थानों में स्त्रियों की उपस्थिति और स्त्री समानता विमर्श पर बाप्स के बहाने चर्चा सुर्खियों में आ गई है। अंततः स्त्री विमर्श किसी परंपरा को नकारने का आग्रह नहीं, बल्कि उसकी मानवीय कसौटियों पर समीक्षा का अवसर है। धार्मिक आस्था, मर्यादा और अनुशासन का सम्मान तभी अधिक सार्थक बनता है, जब स्त्री की स्वतंत्र चेतना और गरिमा भी उसके केंद्र में हों।

मंदिरों की ऊँचाई धार्मिक विस्तार का प्रतीक हो सकती है, किसी संस्था की मानवीय ऊँचाई इस बात से भी मापी जाती है कि उसकी स्त्रियों को कितनी स्वतंत्रता, समानता और सम्मान प्राप्त है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

फैमिली हिस्ट्री से ब्रेस्ट कैंसर का जोखिम, रिस्क असेसमेंट - जेनेटिक काउंसलिंग जरूरी

अगर परिवार में मां, बहन या दादी को ब्रेस्ट कैंसर हुआ हो, तो अगली पीढ़ी के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि क्या उन्हें भी यह बीमारी हो सकती है? इसका जवाब है - जोखिम बढ़ सकता है, लेकिन ब्रेस्ट कैंसर होगा ही यह तय नहीं होता। ब्रेस्ट कैंसर के मामलों का केवल एक हिस्सा ही सीधे अनुवांशिक जेनेटिक बदलावों से संबंधित होता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जोखिम तब अधिक बढ़ता है जब यह क्लोज रिलेटिव में कम उम्र में हुई हो।

एनसीबीआई के अनुसार फर्स्ट डिग्री रिलेटिव में मां, बहन और बेटी शामिल होती हैं। इनके ब्रेस्ट कैंसर हिस्ट्री का जोखिम पर अपेक्षाकृत ज्यादा प्रभाव देखा गया है। एक अध्ययन में फर्स्ट डिग्री रिलेटिव के ब्रेस्ट कैंसर से अन्य का जोखिम करीब दोगुना पाया गया है। इसी विश्लेषण में मां की मेडिकल हिस्ट्री से रिलेटिव रिस्क लगभग 2.0 और बहन की मेडिकल हिस्ट्री से लगभग 2.3 था। सेकेंड डिग्री रिलेटिव की हिस्ट्री से जोखिम लगभग 1.5 गुना था। महत्वपूर्ण बात यह है कि रिस्क रिलेटिव रिस्क रूप में बढ़ता है, इसका मतलब यह नहीं कि व्यक्ति को 100 प्रतिशत कैंसर होगा। किसी महिला का वास्तविक जोखिम उसकी उम्र, ब्रेस्ट डेंसिटी, रिप्रोडक्शन हिस्ट्री, जेनेटिक्स फैक्टर्स और अन्य जोखिम कारकों पर भी निर्भर करता है।

हर फैमिली हिस्ट्री जेनेटिक्स कैंसर सिंड्रोम नहीं होती। लेकिन कुछ पैटर्न में जेनेटिक काउंसिलिंग और संभावित जेनेटिक टेस्टिंग पर डॉक्टर से चर्चा करना उचित हो सकता है। इसमें यह बातें देखि जाती हैं- परिवार में कई लोगों को ब्रेस्ट कैंसर होना, कम उम्र में कैंसर की पहचान होना,

किसी व्यक्ति को कम उम्र में ब्रेस्ट कैंसर और परिवार में अन्य संबंधित कैंसर होना, एक ही व्यक्ति में दोनों ब्रेस्ट का कैंसर होना, परिवार में ब्रेस्ट और ओवेरियन कैंसरदोनों का पैटर्न, पुरुष रिश्तेदार में ब्रेस्ट कैंसर होना आदि। मां या बहन जैसी फर्स्ट-डिग्री रिलेटिव में स्तन कैंसर होने का जोखिम सामान्य से अधिक हो सकता है, जबकि दादी जैसे सेकंड-डिग्री रिलेटिव का इतिहास भी पारिवारिक पैटर्न का हिस्सा होता है। स्ट्रॉन्ग फैमिली हिस्ट्री को अंतिम रूप देने के बजाय डॉक्टर से रिस्क असेसमेंट और जेनेटिक काउंसलिंग पर जरूरत के बारे में बात करना बेहतर है।

निशाना

सुलह में सार है भैया कलह बेकार है भैया

रामकिशोर नाविक

सुलह में सार है भैया
कलह बेकार है भैया
टलें तकरार की बातें
तो बेड़ा पार है भैया
खै़रियत पूछते रहिये
मुहल्ले दार है भैया
हमेशा सर झुकाता है
बड़ा फनकार है भैया
भरोसे का नहीं कोई
सगा कलदार है भैया
बड़े सपने दिखाती है
सधी सरकार है भैया
पढ़ा है या नहीं छोड़ो
मगर सरदार है भैया।

यूजर्स गाइड

वाईफाई राउटर को रीस्टार्ट करने से मिलेगी अच्छी कनेक्टिविटी और सिक्युरिटी

आपका वाई-फाई राउटर ज्यादातर चौबीसों घंटे चलता है। फोन से लेकर लैपटॉप, स्मार्ट टीवी, थर्मोस्टेट और कई स्मार्ट गैजेट्स तक, राउटर बिना रुके बहुत सारे डिवाइस में इंटरनेट की सुविधा देता है। फिर भी, ज्यादातर लोग तब तक इस पर ध्यान नहीं देते जब तक कोई गड़बड़ ना हो जाए। सच तो यह है कि आपका वाई-फाई राउटर भी एक छोटा सा कंप्यूटर ही होता है और बाकी कंप्यूटर या फोन की तरह, अगर इसे भी बीच-बीच में रीस्टार्ट करते रहें, तो यह बिना अटके और ज्यादा तेजी से काम करता है। साथ ही, नेटवर्क सुरक्षित भी रहता है।

दूसरे कंप्यूटरों की तरह इसमें भी प्रोसेसर और मेमोरी जैसे पार्ट्स होते हैं जो हर पल डेटा को प्रोसेस करते रहते हैं। समय के साथ, इसकी मेमोरी भर जाती है, टेम्परारी फाइलें जमा हो जाती हैं और परफॉर्मेंस कम होने लगती है। राउटर को रीस्टार्ट करने से इसकी मेमोरी और कैश साफ हो जाते हैं, जिससे कोई भी टेम्परारी दिक्कत ठीक हो जाती है और सिस्टम को फिर से ठीक से काम करने के लिए एक नई शुरुआत मिलती है।

महीने में एक बार अपने राउटर को रीबूट करना सबसे आसान तरीकों में से एक है, जिससे आप तेज और स्टेबल होम नेटवर्क बनाए रख सकते हैं।

सिक्योर भी होता है नेटवर्क: इससे ना सिर्फ अच्छी कनेक्टिविटी मिलती है। बल्कि सिक्योरिटी भी होती है। हूस और FBI दोनों ही राउटर को रीबूट करने की सलाह देते हैं क्योंकि यह एक बेसिक सिक्योरिटी उपाय है। रीस्टार्ट करने से कुछ तरह के मैलवेयर आसानी से हट सकते हैं और टेम्परारी कनेक्शन साफ हो सकते हैं। फर्मवेयर अपडेट इंस्टॉल करना और एक मजबूत नेटवर्क पासवर्ड नेटवर्क को सुरक्षित रखने का एक भरोसेमंद तरीका है। चूंकि यह एक ऐसी आदत है, जिसमें लगभग दो मिनट लगते हैं और इसके लिए किसी टेक्निकल जानकारी की जरूरत नहीं होती, इसलिए इसे अपनी रूटीन में शामिल करना आसान है।

मिल रहे ये संकेत तो तुरंत करें रीस्टार्ट: राउटर खुद भी संकेत देता है कि कब उसे रीबूट करना चाहिए। जब आपकी इंटरनेट स्पीड सामान्य से कम हो जाए तब समझ लें कि उसे रीबूट करना होगा। एक और संकेत तब मिलता है जब आपका वाई-फाई ठीक से काम ना करे या बार-बार डिस्कनेक्ट हो जाए। साथ ही, अगर आपके डिवाइस नेटवर्क से बार-बार डिस्कनेक्ट हो रहे हैं या स्ट्रीमिंग या डाउनलोडिंग के दौरान बहुत ज्यादा बफरिंग हो रही है, तो राउटर को रीस्टार्ट करना एक अच्छा ऑप्शन है।

अजब गजब

गंगा में बही बिहार की महिला, 15 दिन बाद बाढ़ में घिरी हुई झोपड़ी से जिंदा निकली

बिहार के बक्सर जिले की 55 वर्षीय सुनैना देवी के साथ जो हुआ, उसे सुनकर किसी को भी यकीन करना मुश्किल हो सकता है। गंगा में स्नान करते समय तेज बहाव में बह जाने के बाद उनका परिवार कई दिनों तक उनकी तलाश करता रहा। सभी को आशंका थी कि शायद वह नदी की तेज धार में कहीं दूर बह गई होंगी। लेकिन करीब 15 दिन बाद वह उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में जिंदा मिल गईं।

सुनैना देवी बक्सर जिले के कपुरपट्टी गांव की रहने वाली हैं। 30 अगस्त को वह गंगा में स्नान करने गई थीं। इसी दौरान नदी का बहाव अचानक तेज हो गया और वह पानी की धार में बह गईं। घटना के बाद परिवार ने उन्हें आसपास के इलाकों में तलाशा। उनके बेटे ने इटाढ़ी थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी। परिवार को यह अंदाजा नहीं था कि नदी उन्हें बहाकर बिहार की सीमा से निकालकर उत्तर प्रदेश के बलिया जिले तक ले गई है।

नदी की धार उन्हें बलिया के चैनछपरा गांव के आसपास ले गई। वहां बाढ़ के पानी से घिरे परवल के खेत में बनी एक झोपड़ी दिखाई दी। सुनैना किसी तरह उस झोपड़ी तक पहुंचने में सफल हो गईं और वहीं फंस गईं। चारों तरफ पानी था और सुरक्षित जमीन तक पहुंचने का रास्ता नहीं था। ऐसे में उन्होंने कई दिनों तक उसी झोपड़ी में रहकर समय काटा।

सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि उनके पास खाने का कोई इंतजाम नहीं था। पुलिस और मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक सुनैना ने इस दौरान गंगा का पानी पीकर अपनी जान बचाई। वह करीब 10 से 15 दिन तक बाढ़ के बीच उसी झोपड़ी में रहीं। जब कई दिनों तक कोई मदद नहीं पहुंची तो सुनैना ने खुद सुरक्षित जगह तक पहुंचने की कोशिश की। लेकिन बाढ़ के गहरे पानी में उतरते ही वह दोबारा डूबने लगीं। इसी दौरान उन्होंने मदद के लिए आवाज लगाई और 'शिवगुरु-शिवगुरु' पुकारती रहीं। पास में नाव से मछली पकड़ रहे मल्लाहों ने उनकी आवाज सुनी। उन्होंने झाड़ियों के पीछे महिला को देखा और नाव से पहुंचकर उन्हें पानी से बाहर निकाला।

इसके बाद सुनैना को हल्दी थाने ले जाया गया। पुलिस ने उनके बताए गांव और परिवार की जानकारी के आधार पर बक्सर में उनके परिजनों से संपर्क किया। कुछ समय बाद परिवार को पता चला कि जिस महिला को वे कई दिनों से लापता समझकर खोज रहे थे, वह बलिया में जीवित मिली है। परिजन वहां पहुंचे तो मां को सामने देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए। सुनैना को जब परिवार के लोग वापस बक्सर ले गए तो वह काफी कमजोर थीं। परिवार के अनुसार डॉक्टर ने जांच के बाद उन्हें दवाएं दीं। इस घटना ने परिवार के लिए गम और उम्मीद के बीच चल रहे करीब दो सप्ताह के इंतजार को एक अविश्वसनीय राहत में बदल दिया।

न्यूज विंडो

भारत कृषक समाज ने नर्मदापुरम में किया ब्लॉक-नगर अध्यक्ष घोषित

नर्मदापुरम। भारत कृषक समाज मध्यप्रदेश के अध्यक्ष एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव की सहमति से नर्मदापुरम जिले में संगठन के ब्लॉक एवं नगर अध्यक्षों की घोषणा की गई है। जिला-संभागीय अध्यक्ष मधुसूदन यादव ने 14 पदाधिकारियों को अलग-अलग क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्तियां प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने अनुमोदित की। सिवनी मालवा से गोपाल कृष्ण शर्मा, शिवपुर से महेंद्र सिंह राठौड़, डोलरिया से अजय पटेल, इटारसी से अखिलेश चुन्ना पटेल, केसला से रामशंकर लोधा को अध्यक्ष बनाया गया है। नर्मदापुरम नगर से तुकाराम यादव, नर्मदापुरम ग्रामीण से संचित पटेल, माखन नगर से सुनील मोदी, माखन नगर ग्रामीण से रामकिशन यादव, सोहागपुर नगर से जय भानू चंदेल, सोहागपुर ग्रामीण से सुधीर सिंह ठाकुर, पिपरिया से नागेंद्र पटेल, बनखेड़ी से प्रदीप पलिया, मटकुली से रमेश पटेल को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भारत कृषक समाज के जिला-संभागीय अध्यक्ष मधुसूदन यादव ने बताया कि सभी नवनियुक्त पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में किसानों से जुड़े मुद्दों को उठाकर किसान हित में काम करेंगे।

14 पदाधिकारियों को मिला जिम्मा, इटारसी में अखिलेश चुन्ना पटेल अध्यक्ष

राशन विक्रेताओं ने मांगा 200 रुपए क्विंटल कमीशन, नहीं तो आंदोलन

नरसिंहपुर। जिले में महिला स्व-सहायता समूहों, सहकारी समितियों एवं उपभोक्ता भंडारों द्वारा संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकानों की आर्थिक समस्याओं और राशन विक्रेताओं के मानदेय व कमीशन को लेकर विक्रेता संघ ने प्रशासन के समक्ष अपनी मांगें रखी हैं। जिला विक्रेता संघ के अध्यक्ष प्रहलाद मैख ने कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर मांगों के शीघ्र निराकरण की मांग की है। इसमें कहा है, राशन दुकानों को मिलने वाला कमीशन अन्य विभागों की तुलना में बेहद कम है। इसके चलते उचित मूल्य दुकानों का संचालन आर्थिक रूप से कठिन होता जा रहा है। संघ ने शासन से राशन दुकानों का कमीशन बढ़ाकर 200 रुपए प्रति क्विंटल करने की मांग की है। मांगों का निराकरण 30 सितंबर 2026 तक नहीं किया गया, तो नरसिंहपुर जिले की समस्त शासकीय उचित मूल्य राशन दुकानें बंद कर दी जाएंगी। इसके बाद 1 अक्टूबर 2026 से राशन विक्रेता अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू करेंगे।

30 सितंबर तक मांगें नहीं मानी तो 1 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन

विधायक शर्मा ने सीएम से की मुलाकात, विकास कार्यों पर चर्चा

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से विधायक डॉ. सीतासरण शर्मा की सौजन्य भेंट की। उन्होंने क्षेत्र में विकास के कई विषयों पर चर्चा की। इसमें नल-जल योजना, खनन आदि विषयों पर चर्चा कर जनहित के मुद्दों पर बात की। सीएम ने उन्हें सभी काम को जमीन पर उतारने का आश्वासन दिया। इस दौरान जनपद अध्यक्ष भूपेंद्र चौकसे, इटारसी नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और भाजपा नेता महेंद्र यादव भी मौजूद थे।

कन्या विद्यालय में उमंग दिवस, छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

तेंदूखेड़ा। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय तेंदूखेड़ा में उमंग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्राओं में आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच, रचनात्मकता एवं सामाजिक सहभागिता की भावना विकसित करना रहा। इसमें छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों में उत्साह के साथ सहभागिता की। गीत, भाषण, नृत्य सहित विभिन्न रचनात्मक प्रस्तुतियां देकर छात्राओं ने प्रतिभा दिखाई। कार्यक्रम के माध्यम से छात्राओं के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ उनके मानसिक एवं भावनात्मक विकास के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। विद्यालय के प्राचार्य पी.एल. रैकवार, मुख्य अतिथि यादराम अहिरवार, श्वेता खरे, उमंग प्रभारी श्रीमती अभिलाषा शर्मा एवं सतीश खरे ने छात्राओं का उत्साहवर्धन कर उन्हें जीवन में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

स्कूल जाने तैयार मासूम बिल्ली के बच्चे देखने पहुंचा, कोबरा के डसने से मौत

बड़वानी। जिले के अंजड़ थाना क्षेत्र के दतवाड़ा गांव में मंगलवार सुबह सर्पदंश की दर्दनाक घटना में चार वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। ऋषभ पिता ललित धनगर स्कूल जाने के लिए तैयार था। तभी वह घर के पास एक कमरे में बिल्ली के बच्चों को देखने पहुंचा, जहां पहले से छिपे कोबरा सांप ने डस लिया। ऋषभ सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच स्कूल जाने की तैयारी कर चुका था। इसी दौरान बिल्ली के नवजात बच्चों को देखने की उत्सुकता में वह कमरे में गया। ऋषभ के चीखने की आवाज सुनकर परिजन पहुंचे और उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने उपचार के प्रयास किए, लेकिन बच्चे की हालत गंभीर होने के कारण उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। घटना के बाद घर में मौजूद सांप को पकड़ने के लिए सर्पमित्र नरेंद्र पाटीदार को बुलाया गया। उन्होंने 6-7 फीट लंबे कोबरा को पकड़कर जंगल में छोड़ दिया।

ऑपरेशन फास्ट 2.0: ठगी के लिए किराये की सिम और खातों का करते थे उपयोग

लाखों की ठगी...ठगों के कॉल सेंटर चलाने वाले 7 गिरफ्तार

देवास। दोपहर मेट्रो

राज्य साइबर पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा ऑपरेशन फास्ट के तहत पूरे प्रदेश में एक साथ साइबर ठगी में प्रयुक्त सिम कार्ड धारकों, विक्रेताओं और एजेंट्स के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। इसी के तहत औद्योगिक थाना पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर साइबर ठगी के कॉल सेंटर चलाने वाले 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसपी पुनीत गेहलोद ने इसका खुलासा किया। एसपी गेहलोद ने बताया जिले से संबंधित 6 साइबर अपराध शिकायतों की जांच के लिए निर्देश दिए गए थे। इसके लिए थाना प्रभारी औद्योगिक क्षेत्र अमित सोलंकी के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने साइबर सेल भोपाल से प्राप्त शिकायतों और दस्तावेजों के आधार पर संदिग्ध मोबाइल नंबरों की जांच की। उक्त नंबरों से जुड़े उपभोक्ता के विश्लेषण में सामने आया कि उक्त गिरोह के सदस्यों द्वारा स्वयं व अन्य लोगों के नाम से सिम खरीद कर उक्त सिम के माध्यम से अलग-अलग तरह से आम जनता से साइबर फ्रॉड किया जा रहा था।

पुलिस ने गिरोह के अजय पिता रामप्रसाद परमार निवासी अमृत पार्क, मल्हार रोड देवास, अजय पिता बन्नूलाल बागवान निवासी ग्राम खजूरिया तहसील तराना, नितिन पिता विष्णुप्रसाद बामनिया निवासी ग्राम एनाबाद तहसील सोनकच्छ, अभिषेक पिता कमल कुमावत निवासी ग्राम खजूरिया तहसील तराना, विशाल पिता मेहरबानसिंह गौड़ निवासी ग्राम एनाबाद सोनकच्छ, राजकुमार उर्फ छोटू पिता नर्बतसिंह गौड़ निवासी ग्राम एनाबाद व अंकित पिता संतोष कुमावत निवासी तराना को गिरफ्तार किया है।

10 लाख रुपए की ठगी की

प्राप्त जानकारी के अनुसार उक्त गिरोह द्वारा देश के अलग-अलग स्थानों के लोगों के साथ विभिन्न प्रकार से साइबर ठगी कर 6 घटनाओं मे लगभग 10 लाख रुपए की ठगी की गई। आरोपियों को रिमांड पर लेकर अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। उक्त गिरोह से पहले भी दिल्ली सायबर क्राइम द्वारा 398 सिम कार्ड जब्त किए जा चुके हैं। इस संबंध में दिल्ली में प्रकरण भी दर्ज किया गया था। औद्योगिक थान पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 318(4) बीएनएस 66(ग) आईटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

ऐसे बनाते थे लोगों को शिकार

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी ऑनलाइन ट्रेडिंग, लोन दिलाने, सस्ते दाम पर मोबाइल व लैपटॉप दिलाने का बोलकर लोगों के साथ ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। आरोपी अजय परमार से पूछताछ पर बताया की उसने अपने नाम से कुल 6 सिम कार्ड को उपयोग कर लोन दिलाने के नाम पर साइबर फ्रॉड किया है। वहीं आरोपी नितिन बगानिया ने अपने नाम की 2 सिम व अन्य लोगों की सिम कार्ड अपने साथी विशाल को सप्लाई की थी। वो सिम कार्ड विशाल ने राजकुमार को सप्लाई किए थे। राजकुमार ने पूछताछ में बताया कि उसने अपने गिरोह के माध्यम से ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगी की। इसी प्रकार आरोपी अजय बागवान ने स्वयं के नाम से 5-6 सिम कार्ड व अन्य लोगों की सिम कार्ड अपने साथी अभिषेक कुमावत को दी थी। अभिषेक ने अपने साथी अंकित कुमावत के साथ मिलकर इंस्ट्राग्राम पर फर्जी आईडी बनाकर सस्ते दामों में मोबाइल व लैपटॉप बेचने का बोलकर ठगी की।

सांप पकड़ने का शौक था

मित्र के घर गया था... सांप निकला तो हाथ से पकड़ा, डसने से मौत

ब्यावरा। दोपहर मेट्रो

इमामबाड़े के पास रहने वाले 40 वर्षीय एक युवक की सोमवार-मंगलवार रात में सांप के काटने से मौत हो गई। युवक की मौत से नगर में शौक छा गया। घटना में प्रवेश गोस्वामी (40) उर्फ टीनू पिता मोहन की सांप के काटने से मौत हुई है। बताते हैं, सोमवार रात करीब 8 से 9 बजे के बीच पीनू अपने एक मित्र के घर गया था। तभी वहां घर में सांप होने की सूचना मिली, सांप पकड़ने के दौरान यह हादसा हुआ। गंभीर हालत में उन्हें भोपाल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही मौत हो गई। उसका

कब काटा पता नहीं चला, घर में बिगड़ी हालत

प्रवेश एसी रिपेयरिंग का काम करते थे। मंगलवार रात में वह एक मित्र के घर गए थे। वहां उन्होंने एक सांप को पकड़ लिया। इसके बाद टीनू सांप को जंगल में छोड़ने गए थे। तभी अंगूठे में काट लिया। बताते हैं, पीनू को सांप के काटने के पता नहीं लगा और फिर घर आ गया। जब तबीयत बिगड़ने लगी तो परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन अस्पताल में केवल एक ही एंटी वेनम मिल पाया। ऐसे में परिजन निजी नर्सिंग होम लेकर गए। जहां भी तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो टीनू को भोपाल रेफर किया गया। लेकिन रात 12 बजे उसकी मौत हो गई। बताते हैं, प्रवेश निर्डर और सहायता करने क प्रवृत्ति के व्यक्तित्व वाला था। सांप पकड़ने का शौक था। वह पहले भी सांप पकड़ चुका था। इसी वजह से मित्र के घर सांप दिखाई देने पर उसे पकड़ने की कोशिश की थी।

जर्जर सड़क से युवक की मौत पर ग्रामीण खफा, सड़क पर प्रदर्शन

औबेदुल्लागंज। दोपहर मेट्रो

बुनियादी सुविधाओं के लिए तरसते ग्रामीण इलाकों में प्रशासनिक दावों और कागजी विकास की कलई एक बार फिर खुल गई। जनपद पंचायत औबेदुल्लागंज की ग्राम पंचायत हर्राई में सड़क न होने के चलते 19 वर्षीय मोनू उइके को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। उसकी मौत हो गई। डॉक्टरों के अनुसार, उसे समय पर इलाज मिलता तो जान बच सकती थी।

इस दर्दनाक घटना से ग्रामीणों का आक्रोश भड़क उठा। गुस्साए ग्रामीणों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में मोनू का शव रखकर आंबेडकर चौराहा जाम कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि दीवटिया, पुराना पानी, भील टोला और नंदोरा जैसे इलाके में लंबे समय से पक्की सड़क की मांग कर रहे हैं। लेकिन प्रशासन की कुंभकर्णी नींद नहीं खुल रही। इसी फेर में होनहार युवक की मौत हो गई। एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने मौके पर पहुंचकर सड़क निर्माण का भरोसा दिया। तब प्रदर्शन समाप्त हुआ।

फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाकर तेजगढ़ से तेंदूखेड़ा तक 3 लोगों से ठगी, केस दर्ज

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

फर्जी ऑनलाइन भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखाकर सोमवार को कियोस्क संचालक से ठगी करने वाले की पुलिस ने जानकारी जुटाई है। उसने तेजगढ़ से लेकर तेंदूखेड़ा तक अलग-अलग स्थानों पर वारदात की थी। सोमवार शाम करीब 4 बजे संदिग्ध ने सबसे पहले तेजगढ़ स्थित कियोस्क सेंटर पर पहुंचकर नगद 4 हजार रुपए लिए संचालक को फोन-पे भुगतान का फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाया और करीब 4 हजार की राशि का चूना लगाया।

इसके बाद उसने तेंदूखेड़ा में सुपर मार्केट स्थित रोहित कंप्यूटर एंड ऑनलाइन सर्विस सेंटर पर पहुंचकर 20 हजार की ठगी की। यहां भी उसने फोन-पे भुगतान किए जाने का फर्जी स्क्रीनशॉट दिखाया था। वह बिना नंबर की मोटरसाइकिल से पहुंचा था। मंगलवार सुबह तेजगढ़ के कियोस्क संचालक को घटना की जानकारी होने पर उसने सीसीटीवी फुटेज में कैद संदिग्ध का फोटो तेंदूखेड़ा के रोहित साहू को भेजा। फोटो देखकर रोहित ने इसकी पुष्टि की। पुलिस ने बताया, इसी दिन सन्नी किराना स्टोर पर भी उसी ने 2630 के तेल का जार लिया और फोन-पे भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखाया और सामान ले उड़ा।

ठग की तस्वीर पुलिस को मिली, अब तलाश

सन्नी किराना स्टोर के व्यापारी ने भी सीसीटीवी फुटेज देखकर ठग की पहचान की है। पुलिस अब आरोपी की तलाश कर रही है। एसडीओपी अर्चना अहीर का कहना है कि मामले में एक ही व्यक्ति के शामिल होने की बात सामने आ रही है। ठगी को अंजाम देने वाले संबंधित व्यक्ति का सीसीटीवी के माध्यम से फोटोग्राफ पुलिस को मिला है। उसकी तलाश की जा रही है। जो कोई उसकी जानकारी देगा, उसका नाम गुप्त रखा जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि कोई भुगतान का स्क्रीनशॉट दिखाए तो राशि की पुष्टि कर लें।

आदेश नहीं माना, पन्ना कलेक्टर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

सेक्शन ऑफिसर के नियमितीकरण का मामला

पन्ना। दोपहर मेट्रो

हाईकोर्ट की जबलपुर पीठ ने अवमानना से जुड़े मामले में पन्ना कलेक्टर उषा परमार के खिलाफ गैर-जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। कोर्ट ने उन्हें 30 सितंबर को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर जवाब देने के निर्देश दिए हैं। वारंट की तामील कराने की जिम्मेदारी पन्ना पुलिस अधीक्षक को सौंपी गई है। मामले की सुनवाई जस्टिस विवेक जैन की एकलपीठ में हुई। जानकारी के अनुसार पूर्व में दिए गए हाईकोर्ट के आदेश के पालन से संबंधित रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत नहीं की गई थी। सुनवाई के दौरान कलेक्टर की ओर से कोई भी अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुआ। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए गैर-जमानती वारंट जारी किया और अगली सुनवाई के लिए 30 सितंबर की तारीख निर्धारित की है।

ये है मामला

पन्ना कलेक्टर कार्यालय की सेवानिवृत्त सेक्शन ऑफिसर जाविन आरा रिजवी की नियमितीकरण संबंधी मांग से जुड़ा है। उन्होंने नियमितीकरण के लिए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 13 अगस्त 2025 को हाईकोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए संबंधित अभ्यावेदन पर 90 दिनों में निर्णय लेने के निर्देश दिए थे। इस अवधि में आदेश का पालन नहीं होने का आरोप लगाते हुए जाविन आरा रिजवी ने बाद में अवमानना याचिका दायर की। इसी मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने वारंट जारी किया है। अब 30 सितंबर को होने वाली सुनवाई में कलेक्टर उषा परमार को व्यक्तिगत रूप से हाईकोर्ट के समक्ष उपस्थित होना होगा।

सुबह से ही मंदिरों में उमड़ी आस्था: कहीं दिनभर आराधना तो कहीं धर्म आधारित तंबोला प्रतियोगिता

बड़े बाबा के दरबार में मस्तकाभिषेक, शांतिधारा आज रात अंताक्षरी में भी झलकेगी आस्था

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

श्री शांतिनाथ भगवान के दरबार में चल रहे धार्मिक महोत्सव के अंतर्गत उत्तम तप दिवस अत्यंत श्रद्धा से मनाया गया। सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की चहल-पहल रही। बड़े बाबा का विधि-विधानपूर्वक मस्तकाभिषेक, शांतिधारा एवं शांतिविधान संपन्न हुआ। जयकारों और भक्तिमय वातावरण के बीच श्रद्धालुओं ने आराधना की। शांतिधारा के महापात्र बनने का सौभाग्य निर्मल जैन-राजेंद्र जैन, दिगंबर किराना-हार्डवेयर सनाई परिवार तेंदूखेड़ा, रतनचंद्र जैन, बिट्टू-संस्कार जैन पिपरिया वाला परिवार, मुकेश जैन, हनी-मनी हीरो सेठ परिवार तथा प्रदीप जैन-ऋतिक जैन विद्यानगर परिवार को प्राप्त हुआ। सौधर्म इंद्र बनने का सौभाग्य देवेंद्र बाबू-कलावती जैन शिक्षक परिवार को मिला। धार्मिक क्रियाओं के दौरान बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे और सभी ने उत्तम तप धर्म की भावना को आत्मसात करने का संकल्प लिया। इसी क्रम में आज 8 बजे से अंताक्षरी प्रतियोगिता होगी। इसमें समाज के बच्चों, युवाओं एवं वरिष्ठजनों में विशेष उत्साह है।

तारादेही में बड़े बाबा के दरबार में मस्तकाभिषेक

तारादेही। शांतिधाम दिगंबर जैन मंदिर तारादेही में प्रयूषण पर्व पर उत्तम, सत्य, धर्म के अवसर पर नवयुवक मंडल द्वारा एवं तेंदूखेड़ा वन परिक्षेत्र अधिकारी श्रेयांश जैन के द्वारा धार्मिक तंबोला कार्यक्रम किया। इसमें प्रथम पुरस्कार महिमा छतपुरिया व ऋषभ सिंघई, नीलम जैन, संभव जैन,धीरज जैन, काजल जैन (पनघट) विद्या बड़कुलल को वितरित किए गए।

मेट्रो एंकर बम्होरी पॉन्जी में 10 से ज्यादा स्थानों के पहलवान जुटे, प्रतिद्वंद्वी को चित कर जीती बाजी

108 वर्ष पुरानी परंपरा..जल विहार और दंगल, 200 पहलवानों ने दिखाए दांव, एक ने दी धोबी पछाड़ तो दूसरा निकाल दांव से बचा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर से करीब 3 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बम्होरी पॉन्जी में श्रीश्री 1008 ठाकुर जी का जल विहार परंपरानुसार किया गया। जन्माष्टमी से स्थापित ठाकुर जी के शुभ विमान के जल विहार के मौके पर बम्होरी स्थित दंगल मैदान में हर साल की तरह इस वर्ष भी कुश्ती प्रतियोगिता हुई। इसमें आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों सहित जबलपुर, पाटन, नरसिंहपुर, गोटेगांव, सलैया, गढाकोटा ,दमोह सहित अन्य स्थानों से पहुंचे सैकड़ों पहलवानों ने भाग लिया। पहलवानों ने एक से बढ़कर एक दांव-पेंच दिखाए। संदीप हरई और राजा समनापुर के बीच हुई कुश्ती में संदीप हरई विजयी रहे। आयुष जबलपुर व अरवंश गढ़ाकोटा के मुकाबले में अरवंश ने जीत दर्ज की। मुकेश यादव रोसरा और विमलेश यादव गढ़ाकोटा के बीच हुए मुकाबले में विमलेश विजयी रहे।

कुश्ती प्रतियोगिता में रेफरी जागेश्वर तिवारी, कमल सिंह एवं वीरेंद्र आचार्य रहे। रवि लोधी ने सहयोग किया।

विजेताओं को दिए पुरस्कार

बबलू यादव रोसरा महगुंवा और दिलीप संग के बीच हुई कुश्ती में बबलू यादव रोसरा विजयी रहे। हरदौल गढ़ाकोटा और राजेंद्र बम्होरी के मुकाबले में राजेंद्र बम्होरी ने बाजी मारी। अजय पाल सलैया और गोविंद तेंदूखेड़ा के बीच हुई कुश्ती में गोविंद विजयी रहे। वहीं ऋतिक पाल गढ़ाकोटा और दीपक यादव स्कूल के बीच हुए मुकाबले में ऋतिक ने जीत हासिल की। वहीं कई जगह की कुश्ती बराबरी पर रही। कुश्ती के बाद श्रद्धालुओं को भगवान का प्रसाद वितरित किया गया। विजेता पहलवानों को पुरस्कार दिए गए। कार्यक्रम में मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी, पूर्व ऊर्जा मंत्री दशरथ सिंह लोधी, जिला पंचायत सदस्य द्रकपाल सिंह लोधी, राघवेंद्र सिंह, सांसद प्रतिनिधि ठाकुर मूरत सिंह जनपद अध्यक्ष तुलाराम यादव, बम्होरी के पूर्व सरपंच संतोष यादव, डॉ. परम सिंह, नगर परिषद अध्यक्ष सुरेश जैन, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष अरविंद मोदी गौशाला अध्यक्ष संजय जैन भी मौजूद थे।

सागर: देर रात पुलिस ने की कार्रवाई, देशी कट्टे और कारतूस भी बरामद

41 मौतों के बाद शराब कांड के किंगपिन का एनकाउंटर, साथी भी गिरफ्तार

सागर। दोपहर मेट्रो

सागर जिले के बंडा शराब त्रासदी को लेकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मामले के मुख्य आरोपी और 30 हजार रुपए के इनामी बदमाश मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर को पुलिस ने मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मालथौन थाना क्षेत्र के नोनिया सेसई रोड घाटी पर हुई इस कार्रवाई के दौरान पुलिस की जवाबी फायरिंग में मनीष लोधी के पैर में चोट लगी है, जबकि उसका साथी आशीष साहू भी भागने के प्रयास में घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, थाना बड़ा और विनायका क्षेत्र में हुई शराब त्रासदी के बाद से ही मनीष लोधी की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही थी। सुबह करीब 3 बजे जब पुलिस टीम ने घेराबंदी की, तो आरोपियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्रवाई की, जिसमें मुख्य आरोपी मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर घायल हो गया। मौके से पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो देशी कट्टे, पांच कारतूस और एक बेसबॉल डंडा जब्त किया है। दोनों घायलों को इलाज के लिए तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया है।

अब तक 39 आरोपी किए गए गिरफ्तार

गौरतलब है कि बंडा में जहरीली शराब पीने से अब तक 41 लोगों की जान जा चुकी है। पुलिस ने इस पूरे प्रकरण में कुल 52 लोगों को आरोपी बनाया है, जिनमें से अब तक 39 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। खास बात यह है कि 52 आरोपियों में शराब बनाने वाला मुख्य आरोपी और गांव में अवैध बिक्री करने वाले दो आरोपियों का निधन खुद इसी जहरीली शराब के सेवन से हो चुकी है।

शार्ट एनकाउंटर से पकड़ा तीसरा आरोपी

पुलिस की इस सख्त कार्रवाई में यह तीसरा मौका है जब शराब कांड के किसी आरोपी को शार्ट एनकाउंटर के जरिए दबोचा गया है। इससे पहले पुलिस रवि लखेरा और शिवांजय सिंह को भी मुठभेड़ के दौरान शार्ट एनकाउंटर के बाद गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं और निष्पक्ष जांच जारी है।

30 हजार रुपए का था इनाम

सागर जहरीली शराब कांड के आरोपी मनीष लोधी उर्फ यशवंत ठाकुर के खिलाफ 30 हजार रुपए का इनाम था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी। लेकिन वह चकमा दे रहा था। मालथौन थाना क्षेत्र के नोनिया-सेसई रोड पर पुलिस की टीम से उसका सामना हुआ।

पुलिस को देखते ही आरोपी ने की फायरिंग

पुलिस को देखते ही आरोपी मनीष लोधी ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस टीम ने भी जवाबी कार्रवाई की है। जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी है। इसके साथ ही उसका साथी आशीष साहू भी घायल हुआ है। पुलिस ने दो देसी कट्टे और पांच राउंड गोली के खोखे बरामद किए हैं।

पीड़ितों को राहत नहीं

पुलिस की कार्रवाई के बीच पीड़ितों को अब तक राहत नहीं मिल सकी है। मंत्री ने तीन दिन में ही परिजनों को मुआवजा देने का भरोसा दिया था। लेकिन 10 दिन बीतने के बाद भी अब तक किसी को मुआवजा की राशि नहीं दी जा सकी। अब प्रशासन का दावा है कि जल्द ही राशि दी जाएगी।

आमाडांड में ओपन कास्ट खदान से कोयला परिवहन, धूल दे रही ग्रामीणों को दर्द

कोतमा। दोपहर मेट्रो

एसईसीएल जमुना-कोतमा क्षेत्र अंतर्गत आमाडांड ओपन कास्ट कोल माइंस से कोयला परिवहन करने वाले ट्रकों की लगातार आवाजाही के कारण आसपास के आमजन और हाईवे से गुजरने वाले राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कोयला परिवहन के दौरान सड़क पर उड़ने वाली धूल और कोयले के कणों से वातावरण में धूल का गुबार उठता है, जिससे राहगीरों के साथ-साथ सड़क किनारे रहने वाले लोगों को भी काफी दिक्कतें हो रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सड़क पर जमा धूल लगातार उड़ती रहती है। ट्रकों के गुजरते ही हाईवे पर धूल का गुबार छा जाता है और कई बार राहगीरों को सामने का रास्ता तक स्पष्ट दिखाई नहीं देता।

आंखों में जलन, सांस में हो रही तकलीफ

बताते हैं, कोयला परिवहन मार्ग पर धूल नियंत्रण के लिए समय-समय पर पानी का छिड़काव किया जाना जरूरी है। लेकिन ऐसा नहीं हो रहा। धूल के लगातार संपर्क में रहने से आंखों में जलन, सांस लेने में परेशानी और अन्य श्वसन संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। कोयला उत्पादन और परिवहन के साथ आमजन के स्वास्थ्य व पर्यावरण की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी प्रबंधन की है।

दोपहिया वाहन चालकों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ता है, वहीं पैदल चलने वाले लोगों और आसपास के रहवासियों को भी धूल और कोयले के महीन कणों के कारण परेशानी झेलनी पड़ रही है।

न्यूज विंडो

बच्चों! आपको हो जरूरत तो 112 पर लें पुलिस मदद, 1098 पर मिलेगी सुरक्षा

मंडीदीप। बच्चों को सुरक्षा, साइबर अपराध से बचाव, बाल अधिकारों और आपात स्थिति में उपलब्ध सहायता के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को नगर के निजी विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। शाम 4 बजे एसडीओपी शीला सुराणा ने विद्यार्थियों से संवाद कर पुलिस की कार्यप्रणाली और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी दी। एसडीओपी सुराणा ने कहा, पुलिस बच्चों की मित्र है। किसी परेशानी या आपात स्थिति में पुलिस की मदद लें। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन में बड़े सपने देखने और पूरा करने के लिए प्रयास करने की सीख दी। सतलापुर थाना प्रभारी विजय त्रिपाठी ने आपात स्थिति में पुलिस सहायता के लिए 112 और बच्चों से संबंधित मदद के लिए 1098 हेल्पलाइन की जानकारी दी। साइबर फ्रॉड होने पर तत्काल 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की बात कही।

बीच बाजार महिला को जबरन बाइक पर बैठाया, हड़कंप..पुलिस ने शुरू की जांच

धार। सोशल मीडिया पर सोमवार को वायरल हुए एक वीडियो में महिला को दो लोगों द्वारा कथित तौर पर मारपीट कर बाइक पर बैठाकर ले जाने का मामला सामने आया। वीडियो आने के बाद गंधवानी पुलिस ने जांच शुरू की। जांच में महिला की पहचान सरिताबाई पति कालिया उर्फ अनिल जमरा (30), निवासी ग्राम रायपुरिया के रूप में हुई। वह तीन वर्षों से पति से अलग रह रही थी और अपनी इच्छा से रोहित पिता कालू मानकर, निवासी ग्राम पीथनपुर, हाल मुकाम ब्लॉक कॉलोनी गंधवानी के साथ रह रही थी। 21 सितंबर को महिला गंधवानी बाजार आई थी। इसी दौरान उसका पति अनिल उसे ग्राम रायपुरिया स्थित घर ले गया। पुलिस टीम ग्राम रायपुरिया पहुंची और महिला की तस्दीक करने के बाद उसे थाने लाकर पूछताछ की। पूछताछ में महिला ने पुलिस कार्रवाई नहीं चाहने की बात कही। इसके बाद आवश्यक समझाइश और वैधानिक प्रक्रिया पूरी कर महिला को उसकी माता और पति के साथ रवाना कर दिया गया। गंधवानी पुलिस ने बताया कि सोशल मीडिया पर प्रसारित होने वाले वायरल वीडियो और घटनाओं की तत्काल तस्दीक कर वास्तविक तथ्यों की पुष्टि की जा रही है।

सीआईडी बताकर बुजुर्ग से सोने की चेन और अंगूठी ले भागे ठग

धार। दोपहर मेट्रो

राजगढ़ के नरटोडी चौराहे के पास मेन रोड पर दो बदमाशों ने खुद को सीआईडी पुलिसकर्मी बताकर 66 वर्षीय बुजुर्ग से सोने की चेन और अंगूठी ठग ली। बदमाशों ने पहले पुलिस की वर्दी में अपना फोटो दिखाकर बुजुर्ग को विश्वास में लिया और फिर जेवर पहनकर घूमने पर 10 हजार रुपए जुर्माने की बात कहकर उनसे आभूषण उतरवा लिए। इसके बाद असली जेवर एक पुड़िया में रखने का झांसा देकर उसमें नकली चेन और धातु की अंगूठी रखकर फरार हो गए। सरदार सिंह सोलंकी निवासी जमाई कॉलोनी राजगढ़, ने पुलिस को बताया कि वह बस स्टैंड राजगढ़ से फूलमाला लेकर घर जा रहे थे। 7.35 बजे नरटोडी मेन रोड पर दो व्यक्ति मोटरसाइकिल

से पहुंचे। दोनों ने खुद को सीआईडी पुलिस बताया। उन्होंने पुलिस की वर्दी में अपना फोटो भी दिखाया और एक व्यक्ति को चाकू मारने की बात कहकर फरियादी को डराया। बदमाशों ने कहा कि सोना-चांदी पहनकर नहीं घूमना चाहिए और ऐसा करने पर 10 हजार रुपए का जुर्माना लगेगा। इसी बीच एक अन्य व्यक्ति बाइक से आया और उसने अपने गले में पहनी चेन दोनों आरोपियों को दे दी। दोनों आरोपियों ने फरियादी से भी गले की सोने की चेन- अंगूठी उतरवा कर रख ली।

मंडीदीप में देर रात खूनी खेल

लेन-देन के विवाद में तीन भाइयों ने किया हमला, युवक की मौत

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

औद्योगिक नगर में पुराने पैसों के लेन देन को लेकर हुए विवाद ने मंगलवार रात खूनी रूप ले लिया। जैन धर्मशाला के पास 32 वर्षीय जगदीश लोधी पर तीन लोगों ने हमला कर दिया। गंभीर हालत में अस्पताल ले जाए गए। जगदीश की रस्ते में ही मौत हो गई थी। सूचना मिलते ही एसडीओपी शीला सुराणा मंडीदीप थाने पहुंचीं और पुलिस टीमों को आरोपियों की तलाश में लगाया। पुलिस ने दो घंटे में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान प्रेमनारायण, सूरज और साहबसिंह गुर्जर के रूप में हुई है। तीनों सगे भाई हैं।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जगदीश का आरोपियों से पैसों का पुराना लेनदेन बताया जा रहा है। मंगलवार रात करीब 9:30 बजे जगदीश घर लौट रहा था। इसी दौरान जैन धर्मशाला के पास उसका आरोपियों से सामना हुआ। पैसों के लेनदेन को लेकर बातचीत के बाद विवाद शुरू हो गया। बताया जा रहा है कि जगदीश ने पैसे देने से इनकार किया, जिसके बाद कहासुनी बढ़ गई और उस पर हमला कर दिया गया। हमले में जगदीश गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास के लोगों ने उसे तत्काल सिविल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। खून ज्यादा बहने के कारण उसकी मौत हो गई।

तीनों आरोपी गिरफ्तार

एसडीओपी शीला सुराणा थाना मंडीदीप पहुंचीं। उनके नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग टीमें गठित कर आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस ने दो घंटे में प्रेमनारायण, सूरज और साहबसिंह गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया।

भुजरिया तालाब पर जल विहार, श्रीराम मंदिर से निकला डोल चल समारोह

मंडीदीप। दोपहर मेट्रो

नगर में डोल ग्यारस का पर्व आस्था और पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया गया। श्री हिंदू उत्सव समिति के नेतृत्व में दोपहर 3 बजे प्राचीन श्रीराम मंदिर से भगवान श्रीकृष्ण का फूलों से सजा डोल चल समारोह निकाला गया। हाथी, घोड़ा, पालकी और ढोल-धमाकों के साथ निकले समारोह में श्रद्धालुओं ने 'जय कन्हैया लाल की' के जयकारे लगाए। समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए श्री राधा-कृष्ण चौक पहुंचा। यहां विभिन्न मंदिरों से निकले डोल एकत्रित हुए। सामूहिक आरती के बाद श्रद्धालुओं ने श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की। मार्ग में भी कई स्थानों पर डोल रोककर पूजा की गई। श्रद्धालु परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना के साथ डोल के नीचे से भी निकले। शाम करीब 5 बजे डोल एचईजी कंपनी परिसर स्थित पौराणिक भुजरिया तालाब पहुंचे।

विभिन्न मंदिरों से आए डोल यहां एकत्रित हुए। परंपरा के अनुसार उन्हें तालाब के जल से स्नान कराया गया। जलविहार के बाद सभी डोल अपने-अपने मंदिरों के लिए रवाना हुए। जलझूलनी एकादशी से जुड़ी परंपराक वरिष्ठ समाजसेवी जगदीश सोनी ने बताया कि डोल ग्यारस को परिवर्तिनी एकादशी और जलझूलनी एकादशी के रूप में भी मनाया जाता है। मान्यता है कि भगवान श्रीकृष्ण के जन्म के 18वें दिन माता यशोदा ने उनकी जल घट पूजा की थी।

रहवासियों ने सौंपा ज्ञापन..दुकानें और भवन तैयार, नई जगह न हो बस स्टैंड का निर्माण

धार। शहर के मास्टआर प्लान में बस स्टैंड को नगर से दूर बनाए जाने के प्रस्तापवित एजेंडे को लेकर रहवासियों ने एक आवेदन सौंपा है। रहवासियों ने मांडू-देलमी रोड या नागदा-गुजरी रोड क्षेत्र में नया बस स्टैंड बनाने के प्रस्ताव पर भी आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इन जगहों पर निजी जमीन लेने के लिए शासन को अतिरिक्त राशि खर्च करनी पड़ेगी। लोगों का कहना है कि उन्हें शहर में कहीं भी बस स्टैंड बनाने से आपत्ति नहीं है, लेकिन जब मौजूदा जगह पर करोड़ों रुपए खर्च कर भवन और दुकानें तैयार हो चुकी हैं तो इसे छोड़कर नई जगह पर नई योजना शुरू करने से सरकारी राशि का दोहरा खर्च हो सकता है। दरअसल शहर में 9.71 करोड़ रुपए की लागत से बन रहा अत्याधुनिक बस स्टैंड करीब तीन साल बाद भी

पूरा नहीं हो सका है। 10 मई 2023 को भूमिपूजन के समय इसे वर्ष 2024 तक पूरा करने की बात कही गई थी, लेकिन 22 सितंबर 2026 तक निर्माण अधूरा है। करीब 9 से 10 महीने से काम बंद पड़ा है। अब बस स्टैंड की जगह बदलने के प्रस्ताव को लेकर रहवासियों और जनप्रतिनिधियों ने आपत्ति जताई है। मंगलवार को बस स्टैंड क्षेत्र के रहवासी और जनप्रतिनिधि पहले धार विधायक नीना वर्मा के बंगले पहुंचे और पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा को आवेदन सौंपा। इसके बाद कलेक्ट्रेट की जनसुनवाई में पहुंचकर कलेक्टर राजीव रंजन मीना को भी आवेदन दिया। इसमें निर्माणाधीन बस स्टैंड का काम जल्द शुरू कर पूरा कराने की मांग की गई। कहा, मौजूदा बस स्टैंड शहर के आबादी क्षेत्र में है। रात में भी अलग-अलग शहरों और दूसरे राज्यों से बसों का आना-जाना रहता है। ऐसे में लोगों को परेशानी होगी।

मेट्रो एंकर

दो दिनी वेस्ट जोन रीजनल ज्यूडिशियरी कॉन्फ्रेंस, एआई और नए कानूनों पर होगा मंथन

न्यायिक शिक्षा का आयाम बताने 26 को ग्वालियर में जुटेंगे 'सुप्रीम' जज

ग्वालियर। दोपहर मेट्रो

वेस्ट जोन रीजनल ज्यूडिशियरी कॉन्फ्रेंस का आयोजन 26 और 27 सितंबर को ग्वालियर में होगा। न्यायिक शिक्षा के बढ़ते आयाम विषय पर केंद्रित दो दिवसीय सम्मेलन राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित दत्तोपंत ठेंगड़ी सभागार में होगा। इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जस्टिस के साथ जिला न्यायालयों के 60 से अधिक न्यायाधीश शामिल होंगे। आयोजन को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस ने सुरक्षा और प्रोटोकॉल की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कॉन्फ्रेंस में एआई की भूमिका और इस्तेमाल पर भी मंथन

होगा। 26 सितंबर को न्यायिक शिक्षा की जरूरत और नवाचार पर चर्चा होगी। इसमें न्यायिक शिक्षा की बदलती जरूरतों, नई शिक्षण पद्धतियों, गुणवत्ता मानकों और संस्थागत उत्कृष्टता पर चर्चा होगी। इसके साथ ही केस स्टडी, मूट कोर्ट, सिमुलेशन और रोल प्ले के जरिए व्यावहारिक प्रशिक्षण जैसे विषय भी चर्चा में रहेंगे। इसके साथ ही न्यायपालिका के उन बिंदुओं पर भी रायशुमारी की जाएगी, जिससे लोगों को त्वरित न्याय दिलाने की राह आसान हो।

स्टेशन और एयरपोर्ट पर बनाई जाएगी हेल्पडेस्क

एयरपोर्ट से लेकर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्मों पर हेल्प डेस्क बनाई जाएगी। बता दें, इससे पहले इंदौर में वेस्ट जोन रीजनल कांफ्रेंस का हुआ था। ग्वालियर में 26 सितंबर को दोपहर 12 से 1 बजे तक 'न्यायिक शिक्षा की आवश्यकताएं'। विषय पर चर्चा होगी। बदलती कानूनी और सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप न्यायिक शिक्षा का विकास। क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय न्यायिक शिक्षा मॉडलों का तुलनात्मक विश्लेषण और न्यायिक शिक्षा ऑडिट होगी।

एआई, डिजिटल साक्ष्य व नए आपराधिक कानून

27 सितंबर को न्यायिक शिक्षा के डिजिटल परिवर्तन पर सत्र होगा। इसमें एआइ साक्षरता, न्यायिक निर्णयों पर एआइ का प्रभाव, साइबर कानून, डिजिटल साक्ष्य, डेटा संरक्षण और जनरेटिव एआइ के उपयोग पर विशेषज्ञ विचार रखेंगे। इसके अलावा नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए न्यायिक क्षमता, न्यायिक नैतिकता, निष्पक्षता, क्रिटिकल थिंकिंग और तार्किक निर्णय क्षमता विकसित करने पर भी चर्चा होगी। सम्मेलन के अंत में प्रतिभागियों से फीडबैक लिया जाएगा।

नाबालिग से रेप के मामले में 12 घंटे में ही आरोपी को पुलिस ने पकड़ा

धार। नाबालिग बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में धामनोद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के सामने आने के करीब 12 घंटे के भीतर एक विधि-विरुद्ध बालक को अभिरक्षा में लिया है। पुलिस ने मुखबिर सूचना और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए बालक से पूछताछ की और विधि अनुसार कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार 21 सितंबर को बालिका की मां ने धामनोद थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बालिका की माहवारी नहीं आने पर परिजन उसे चिकित्सकीय जांच के लिए धामनोद अस्पताल लेकर पहुंचे थे। जांच में बालिका के गर्भवती होने की जानकारी सामने आई। बालिका से पूछताछ की गई। बालिका ने पुलिस को बताया कि होली के बाद वह बकरियां चराने के लिए झाड़ियों की ओर गई थी। इसी दौरान कालाआम पुनर्वास क्षेत्र का एक बालक वहां आया और उसके साथ जबरदस्ती की। बालिका के अनुसार घटना के संबंध में किसी को बताने पर उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई थी।

मामले में फरियादिया की रिपोर्ट पर धामनोद थाने में मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी निरीक्षक संतोषसिंह यादव के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर विधि-विरुद्ध बालक की पहचान कर अभिरक्षा में लिया।

एशियन गेम्स में भारत का जोरदार प्रदर्शन!

स्कीट में कांस्य, अनंतजीत फाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियन गेम्स 2026 के पांचवें दिन भारतीय खिलाड़ियों ने कई खेलों में अपनी चुनौती पेश की। शूटिंग में भारत ने पुरुषों की स्कीट टीम स्पर्धा में कांस्य पदक हासिल किया, जबकि अनंत जीत सिंह नारूका ने व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाकर पदक की उम्मीद कायम रखी। दूसरी ओर, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में मनु भाकर पांचवें स्थान पर रहकर पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम चीन के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में उतरेगी। वहीं, कबड्डी और तलवारबाजी में भी भारतीय खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया।

स्कीट टीम स्पर्धा में भारत को कांस्य

भारत ने पुरुषों की स्कीट टीम स्पर्धा में कांस्य पदक अपने नाम किया। अनंत जीत सिंह नारूका, मीराज अहमद खान और भवतेघ सिंह गिल की भारतीय टीम ने यह उपलब्धि हासिल की। इसके अलावा अनंत जीत सिंह ने व्यक्तिगत स्पर्धा के फाइनल में भी प्रवेश किया है। उन्होंने क्वालिफिकेशन में 119 अंक हासिल कर चौथा स्थान प्राप्त किया। शीर्ष स्थान से वह केवल एक अंक पीछे रहे। मीराज अहमद खान 12वें स्थान पर रहे और फाइनल में जगह नहीं बना सके। वहीं, भवतेघ सिंह गिल ने 111 अंक के साथ 43 निशानेबाजों में 29वां स्थान हासिल किया। व्यक्तिगत स्पर्धा में शीर्ष नौ निशानेबाज फाइनल के लिए चुने गए।

मनु भाकर का फाइनल में पहुंचने का सपना टूटा

महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में भारतीय निशानेबाज मनु भाकर को पांचवें स्थान से संतोष करना पड़ा। उन्होंने 181.1 अंक बनाए और 18वें शॉट के बाद प्रतियोगिता से बाहर हो गईं। शुरुआती दौर में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा, लेकिन बाद में उन्होंने वापसी करते हुए तीसरे स्थान तक पहुंच बनाई। हालांकि, 18वें शॉट में 9.6 अंक हासिल करने के बाद वह पदक की दौड़ से बाहर हो गईं। दक्षिण कोरिया की चो गाउन ने 246.3 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता और नया एशियाई रिकॉर्ड बनाया। चीन की शेन यियाओ को रजत तथा जियांग रानशिन को कांस्य पदक मिला। मनु भाकर के पास अब 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में चुनौती पेश करने का अवसर रहेगा।

तलवारबाजी में अंतिम-32 में पहुंचे भारतीय खिलाड़ी | पुरुषों की व्यक्तिगत सेबर स्पर्धा में करण सिंह और गिशो निधि कुमारेशन ने पूल चरण पार कर अंतिम-32 में जगह बनाई। कुमारेशन छह खिलाड़ियों वाले पूल में तीसरे और करण सिंह पांच खिलाड़ियों वाले पूल में पांचवें स्थान पर रहे। अब कुमारेशन का सामना लाओस के क्रैंटिन ज्योफ्रोय से, जबकि करण सिंह का मुकाबला चीन के शाओतोंग लुओ से होगा।

महिला कबड्डी में ईरान पर शानदार जीत

भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ग्रुप ए के मुकाबले में ईरान को 37-23 से हराया। शुरुआत में कुछ अस्थिरता के बाद भारतीय टीम ने लय हासिल की और मुकाबले में बढ़त बनाए रखी। इससे पहले भारत ने बांग्लादेश को 42-21 से शिकस्त दी थी।

बैडमिंटन और रोइंग पर भी नजर

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम चीन के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में उतरेगी। इसके साथ ही रोइंग में भी भारतीय खिलाड़ी अपनी चुनौती जारी रखेंगे। वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू के प्रदर्शन पर भी देश की नजरें टिकी हैं। पांचवें दिन भारतीय दल का लक्ष्य विभिन्न खेलों में पदक की संभावनाओं को मजबूत करना रहेगा।

इंग्लैंड ने श्रीलंका को 89 रन से हराया

पहले वनडे में विल जैक्स के 5 विकेट, हैरी ब्रुक की फिफ्टी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंग्लैंड ने पहले वनडे में श्रीलंका को 89 रन से हरा दिया। चेस्टर-ली-स्ट्रीट में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 265 रन बनाए। जवाब में श्रीलंका की टीम 176 रन पर ऑलआउट हो गई। विल जैक्स ने 8.2 ओवर में 22 रन देकर 5 विकेट लिए। यह वनडे में किसी इंग्लिश स्पिनर का दूसरा सबसे अच्छा प्रदर्शन है। जैक्स ने बल्ले से भी नाबाद 46 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

इंग्लैंड ने 31.1 ओवर में 182/3 रन बना लिए थे। कप्तान हैरी ब्रुक 67 और जो रूट 44 रन बनाकर क्रीज पर थे। ब्रुक के आउट होने के बाद इंग्लैंड की पारी लड़खड़ा गई। 182 से 211 रन के बीच टीम ने 4 विकेट गंवा दिए। जोस बटलर 31, रेहान अहमद 2 और जेमी ओवरटन 8 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद विल जैक्स ने निचले क्रम के साथ मिलकर स्कोर को 265 तक पहुंचाया। उन्होंने 47 गेंद पर नाबाद 46 रन बनाए। 47वें ओवर में जैक्स ने दुष्मंथा चमीरा के खिलाफ लगातार चार चौके लगाए।

डेब्यू में कोलंबगे ने रूट को किया बोल्ड

श्रीलंका के 23 साल के लेग स्पिनर सचिंदु कोलंबगे का डेब्यू यादगार रहा। उन्होंने 10 ओवर में 44 रन देकर 3 विकेट लिए। कोलंबगे ने अपना पहला इंटरनेशनल विकेट जो रूट का लिया। उन्होंने रूट को 44 रन पर बोल्ड किया। इसके बाद जोस बटलर और जेमी ओवरटन को भी आउट किया। 265 रन के जवाब में श्रीलंका का रन चेज कभी लय में नहीं आया। कप्तान कुसल मेंडिस ने वापसी करते हुए 42 रन बनाए। दुनिथ वेलालागे ने 45 रन की पारी खेलकर हार का अंतर कम किया। लेकिन विल जैक्स और जेमी ओवरटन की गेंदबाजी के सामने श्रीलंका का मिडिल ऑर्डर टिक नहीं सका।

2 रन से हारकर भी जापान ने जीता दिल

भारतीय सितारों के साथ जर्सी एक्सचेंज बुमराह के ऑटोग्राफ की रही ज्यादा मांग

सानो, एजेंसी

भारत और जापान के बीच खेला गया ऐतिहासिक टी20 मुकाबला भले ही टीम इंडिया ने 2 रन से अपने नाम किया, लेकिन मैच के बाद जापानी खिलाड़ियों ने अपने खेल भावना और आत्मीयता से हर किसी का दिल जीत लिया। मुकाबला खत्म होने के बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने एक-दूसरे के साथ जर्सी बदली, तस्वीरें खिंचवाईं और क्रिकेट के प्रति आपसी सम्मान की मिसाल पेश की। भारतीय खिलाड़ियों से मिलने और उनके ऑटोग्राफ लेने के लिए जापानी खिलाड़ी खासे उत्साहित नजर आए।

भारतीय सितारों के साथ यादगार पल- स्टार स्पोर्ट्स इंडिया की ओर से साझा की गई तस्वीरों में अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह और अभिषेक शर्मा समेत कई भारतीय खिलाड़ी जापान के कप्तान केंडेल कडोवाकी-फ्लेमिंग और उनकी टीम के सदस्यों के साथ दिखाई दिए। जापानी खिलाड़ियों ने भारतीय टीम की जर्सी पर ऑटोग्राफ लिए और क्रिकेट के बड़े सितारों के साथ तस्वीरें खिंचवाईं। जसप्रीत बुमराह जापानी खिलाड़ियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। हालांकि उन्होंने इस मुकाबले में हिस्सा नहीं लिया था, फिर भी खिलाड़ी उनके साथ तस्वीर लेने और ऑटोग्राफ हासिल करने के लिए उत्साहित दिखे। एक जापानी खिलाड़ी को अभिषेक शर्मा से हस्ताक्षर की हुई भारतीय जर्सी भी मिली।

75 साल के रिश्तों के बीच ऐतिहासिक मुकाबला

सानो में आयोजित यह मुकाबला भारत और जापान के राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर 'स्पोर्ट 75' पहल के तहत खेला गया। बारिश के कारण मैच को घटाकर 5-5 ओवर का कर दिया गया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 ओवर में 32 रन बनाए और जापान को 33 रन का लक्ष्य दिया। भारत की ओर से श्रेयस अय्यर ने 16 रन बनाए, जबकि संजू सैमसन ने 10 और ईशान किशन ने 3 रन का योगदान दिया। अभिषेक शर्मा खाता नहीं खोल सके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापानी टीम ने भारतीय गेंदबाजों को कड़ी चुनौती दी। रवि बिश्नोई के ओवर में 10 और वाशिंगटन सुंदर के ओवर में 7 रन आने के बाद जापान को अंतिम 6 गेंदों पर 8 रन की जरूरत थी। अक्षर पटेल ने आखिरी ओवर में शानदार गेंदबाजी करते हुए केवल 2 रन दिए। जापान की टीम 30/3 रन तक पहुंच सकी और भारत ने मुकाबला 2 रन से जीत लिया। आखिरी ओवर में वाइड के फैसले को लेकर विवाद भी हुआ। अंपायर क्रिस थर्गेट के वाइड देने के बाद श्रेयस अय्यर ने लेग अंपायर क्रिस ब्राउन से बातचीत की।

सीएसके के प्रबंध निदेशक काशी का खुलासा

आईपीएल 2027: जहीर खान को मुख्य कोच बनाने में धोनी की रही अहम भूमिका

चेन्नई, एजेंसी

पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने भारत के पूर्व बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान को आईपीएल 2027 के लिए मुख्य कोच नियुक्त किया है। टीम के प्रबंध निदेशक काशी विश्वनाथन ने बताया कि इस फैसले में दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी भी सक्रिय रूप से शामिल थे। 47 वर्षीय जहीर खान ने न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान स्टीफन फ्लेमिंग की जगह ली है, जो 18 साल तक टीम के साथ रहने के बाद अलग हो गए थे। धोनी के अलावा, सीएसके के क्रिकेट मैनेजमेंट में रूपा गुरुनाथ और कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी इस फैसले में शामिल थे।

सीएसके के आधिकारिक बयान में जहीर की नियुक्ति का जिक्र है, लेकिन इसमें कई साल के करार का कोई उल्लेख नहीं है, जिससे पता चलता है कि यह शुरुआत में एक साल का कार्यकाल होगा। विश्वनाथन ने कहा, असल में यह फैसला टीम प्रबंधन ने लिया था। वे जहीर खान के अनुभव को देखते हुए उन्हें मुख्य कोच बनाना चाहते थे। उन्होंने आईपीएल में 100 से ज्यादा मैच खेले हैं और वे एक ऑलराउंड खिलाड़ी रहे हैं। इसलिए, उन्हें लगा कि वे टीम के लिए एक अच्छा विकल्प होंगे और हमने क्रिकेट मैनेजमेंट की बात मानी। निश्चित रूप से, जब यह फैसला लिया गया तो धोनी भी इसमें शामिल थे। उनकी सलाह के बिना हम कोई काम नहीं करते।

धोनी के भविष्य को लेकर क्या बोले विश्वनाथन?

धोनी फिटनेस की समस्याओं के कारण आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए थे। जब विश्वनाथन से एक खिलाड़ी के तौर पर धोनी के भविष्य के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, देखिए, असल में वे हमारे लिए अभी भी एक खिलाड़ी हैं। मैं बस इतना ही कह सकता हूं। विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि वनडे विश्व कप 2011 की विजेता टीम का हिस्सा रहे जहीर को अपना बैकरूम स्टाफ चुनने की पूरी आजादी होगी। अभी सीएसके के सपोर्ट स्टाफ में माइक हसी, श्रीधरन श्रीराम, राजीव कुमार, एरिक सिमंस और जेम्स फॉस्टर शामिल हैं। उन्होंने कहा,सपोर्ट स्टाफ का फैसला वही करेंगे। आईपीएल करियर में 100 मुकाबले खेल चुके जहीर खान ने 2018 से 2022 तक मुंबई इंडियंस के लिए डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट ऑपरेशन्स और हेड ऑफ ग्लोबल डेवलपमेंट के तौर पर काम किया था। इसके बाद आईपीएल 2025 में वह लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ मेंटोर की भूमिका निभाएंगे। यह पहली बार होगा जब जहीर किसी क्रिकेट टीम के मुख्य कोच बनेंगे। जहीर बेल्जियम में यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग में एंटवर्प एंकर्स, श्रीलंका में लंका प्रीमियर लीग में जाफना किंग्स और कनाडा में सुपर60 लीग में वैंकूवर एंकर्स के सह-मालिक भी हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

बच्चे को जन्म देने के बाद शरीर में आया हर बदलाव खूबसूरत, परिणिति का ट्रोलर्स को करारा जवाब

मुंबई। अभिनेत्री परिणीति चोपड़ा ने महिलाओं, खासकर पोस्टपार्टम यानी प्रसव के बाद की अवधि से गुजर रही महिलाओं की बॉडी-शेमिंग को लेकर खुलकर अपनी बात रखी है। उन्होंने सोशल मीडिया पर महिलाओं के शरीर और वजन को लेकर होने वाली नकारात्मक टिप्पणियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि मां बनने के बाद शरीर में होने वाले बदलावों को आलोचना की नजर से देखना बेहद अजीब है। परिणीति ने कहा कि वह सोशल मीडिया ट्रोलिंग पर ज्यादा ध्यान नहीं देतीं। अभिनेत्री के मुताबिक, वह सोशल मीडिया पर ज्यादा समय नहीं बितातीं और उनकी प्राथमिकता परिवार, दोस्तों और अपनी जिंदगी को समय देना है। उन्होंने कहा कि अगर कभी उनके बारे में की गई कोई नकारात्मक टिप्पणी उनके सामने आती भी है, तो वह उसे अपने ऊपर हावी नहीं होने देतीं।

'अनजान लोगों की बातों से परेशान नहीं होती'

परिणीति ने कहा कि वह ऐसे लोगों की बातों को महत्व नहीं देतीं, जो उन्हें व्यक्तिगत रूप से जानते तक नहीं हैं। अभिनेत्री के मुताबिक, उनके पास सोशल मीडिया पर अनजान लोगों की टिप्पणियों से परेशान होने के लिए समय नहीं है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के शरीर को लेकर होने वाली चर्चा तब और ज्यादा परेशान करने वाली लगती है, जब बात उन महिलाओं की हो जो हाल ही में मां बनी हैं। परिणीति ने कहा कि 2026 में भी महिलाओं को बॉडी शेम किया जाना उन्हें बेहद अजीब और पिछड़ी सोच जैसा लगता है।पोस्टपार्टम वजन बढ़ने को लेकर अभिनेत्री कैटरीना कैफ की ट्रोलिंग का जिक्र करते हुए परिणीति ने सवाल किया कि आखिर बच्चे को जन्म देने के बाद महिला के शरीर में आने वाले बदलावों को नकारात्मक नजर से क्यों देखा जाता है।

'ये इस बात का सबूत है कि आपने बच्चे को जन्म दिया'

परिणीति ने शरीर पर गर्भावस्था के बाद रह जाने वाले निशानों की तुलना यात्रा या फिटनेस से जुड़े बदलावों से करते हुए कहा कि शरीर पर मौजूद निशान किसी अनुभव की याद दिलाते हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरह धूप में त्वचा का टैन होना किसी यात्रा की याद हो सकता है, उसी तरह मां बनने के बाद शरीर में आए बदलाव मातृत्व की कहानी बताते हैं। अभिनेत्री ने अपनी बात रखते हुए कहा कि उनके लिए बच्चे के जन्म के बाद शरीर में आया हर बदलाव खूबसूरत है, क्योंकि वह इस बात की निशानी है कि एक महिला ने अपने भीतर एक जीवन को पाला और उसे जन्म दिया।

मेट्रो बाजार

96 प्रतिशत से अधिक यूपीआई ट्रांजैक्शन पर छोटे व्यापारियों को एमडीआर से छूट: एनपीसीआई

नई दिल्ली । नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने कुछ मीडिया रिपोर्टों में किए गए उन दावों को खारिज किया, जिनमें कहा गया था कि यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट और उस पर लगने वाला जीएसटी छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त बोझ डालेगा और डिजिटल भुगतान को महंगा बना देगा। एनपीसीआई ने स्पष्ट किया कि यह दावा सही नहीं है। एमडीआर केवल 2,000 रुपए से अधिक के व्यक्ति-से-व्यापारी यूपीआई ट्रांजैक्शन पर लागू होगा। 2,000 रुपए तक के सभी यूपीआई व्यापारी ट्रांजैक्शन पर पहले की तरह शून्य एमडीआर रहेगा, इसलिए इन पर जीएसटी का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2,000 रुपए तक के ट्रांजैक्शन यूपीआई मर्चेंट ट्रांजैक्शन वॉल्यूम का 96 प्रतिशत से अधिक हिस्सा हैं। इसका अर्थ है कि अधिकांश यूपीआई भुगतान एमडीआर और उससे जुड़े किसी भी जीएसटी दायित्व से मुक्त रहेंगे। एनपीसीआई ने यह भी कहा कि जिन व्यापारियों की मासिक यूपीआई प्राप्तियां 1 लाख रुपए तक हैं, उन्हें एमडीआर का भुगतान नहीं करना होगा। इसलिए ऐसे छोटे व्यापारियों के लिए एमडीआर पर जीएसटी लगने का सवाल ही नहीं उठता। संस्था के अनुसार, छोटे व्यापारियों पर अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ने की आशंकाएं तथ्यात्मक रूप से सही नहीं हैं, क्योंकि अधिकांश ट्रांजैक्शन और छोटे कारोबारी इस व्यवस्था से प्रभावित नहीं होंगे।

'द वन' में छठ की आस्था की झलक, तमन्ना भाटिया बोलीं- 'छठ पूजा आभार का प्रतीक है'

मुंबई। अभिनेत्री तमन्ना भाटिया इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'द वन - फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में छठ पूजा को खास अंदाज में प्रस्तुत किया गया है। इसका स्पेशल गाना 'छठी मइया' (बोले तो 'छठी मइया सुनीं लीं विनती हमार) दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रहा है। गाने में तमन्ना पारंपरिक लुक में नजर आ रही हैं और इसे सोशल मीडिया पर भी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है।

फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान तमन्ना ने छठ पूजा को लेकर अपनी भावनाएं साझा कीं। उन्होंने फिल्म के निर्माताओं की तारीफ करते हुए कहा कि इस त्योहार को पर्दे पर पेश करते समय हर छोटी-बड़ी बात का खास ध्यान रखा गया है। अभिनेत्री के मुताबिक, फिल्म की टीम ने छठ की भावनाओं और परंपराओं को सम्मान के साथ दिखाने की कोशिश की है।

तमन्ना ने कहा कि छठ पूजा उनके लिए भी बेहद खास त्योहार है। उन्होंने इसके महत्व को बताते हुए कहा कि यह हमारे पास मौजूद चीजों के प्रति आभार और शुक्रगुजार होने का अवसर देता है। अभिनेत्री ने कहा कि गाने में भी छठ की इसी भावना और उससे जुड़े भावनात्मक पक्ष को खूबसूरती से पेश किया गया है। उन्होंने फिल्म का हिस्सा बनने का मौका देने के लिए मेकर्स का शुक्रिया भी अदा किया। तमन्ना ने कहा कि 'छठी मइया' गाने को मिल रही प्रतिक्रिया से वह खुश हैं और यह फिल्म पूरी टीम के लिए खास है।

अभिनेत्री ने कहा कि भारत में लोककथाओं और सांस्कृतिक परंपराओं की कमी नहीं है, लेकिन उन्हें बड़े पर्दे पर प्रस्तुत करने के लिए स्पष्ट विजन और संवेदनशीलता की जरूरत होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दर्शक फिल्म में दिखाई गई कहानी और संस्कृति से जुड़ाव महसूस करेंगे।

वित्त वर्ष 2027 में 6.7 प्रतिशत वृद्धि के साथ भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली । विश्व आर्थिक मंच यानी वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) की चीफ इकोनॉमिस्ट्स आउटलुक रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 6.7 प्रतिशत की अनुमानित जीडीपी वृद्धि के साथ भारत प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे मजबूत विकास संभावनाओं वाला देश बना हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मांग की मजबूती भारतीय अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत बनी हुई है।

सितंबर 2026 की इस रिपोर्ट में अमेरिका, यूरोप, चीन, जापान, भारत, दक्षिण-पूर्व एशिया, लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन, मध्य पूर्व एवं उत्तरी अफ्रीका, मध्य एशिया और सब-सहारा अफ्रीका सहित 10 प्रमुख क्षेत्रों का आकलन किया गया है। रिपोर्ट के लिए सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के 92 मुख्य अर्थशास्त्रियों से राय ली गई। रिपोर्ट के अनुसार, 74 प्रतिशत मुख्य अर्थशास्त्री भारत में मजबूत या बहुत मजबूत आर्थिक वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं, जबकि मई में यह आंकड़ा 52 प्रतिशत था। वहीं 98 प्रतिशत विशेषज्ञों का मानना है कि अगले 12 महीनों में भारत की वृद्धि दर कम से कम मध्यम या उससे बेहतर रहेगी। रोजगार के मोर्चे पर रिपोर्ट में कहा गया है कि 70 प्रतिशत अर्थशास्त्रियों को अगले एक वर्ष में बेरोजगारी दर में कोई बड़ा बदलाव नहीं दिखाई देता। हालांकि 17 प्रतिशत विशेषज्ञों को बेरोजगारी बढ़ने और 13 प्रतिशत को इसमें कमी आने की उम्मीद है। आंकड़ों के मुताबिक, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की बेरोजगारी दर जुलाई के 5.1 प्रतिशत से घटकर अगस्त में 5 प्रतिशत पर आ गई। इसी अवधि में श्रम बल भागीदारी दर 55.4 प्रतिशत से बढ़कर 55.6 प्रतिशत हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, यह संकेत देता है कि मजबूत आर्थिक गतिविधियों के बीच श्रम बाजार अपेक्षाकृत स्थिर बना हुआ है, हालांकि रोजगार सृजन की गति बनाए रखना अभी भी महत्वपूर्ण है।

दुनिया का इकलौता और भारत का पानी पर तैरता अनोखा पोस्ट ऑफिस

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के श्रीनगर की डल झील पर बना यह पोस्ट ऑफिस किसी आम बिल्डिंग में नहीं है। यह एक हाउस-बोट से चलता है, जिसकी वजह से यह देश के सबसे अनोखे पोस्ट ऑफिस में गिना जाता है। डल झील के आसपास रहने वाले लोगों तक डाक सेवा पहुंचाने के लिए इस फ्लोटिंग पोस्ट ऑफिस की शुरुआत 2011 में हुई थी। बाद में इसकी अनोखी लोकेशन पर्यटकों के लिए भी आकर्षण बन गई। यह पोस्ट ऑफिस जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में मशहूर डल झील पर स्थित है। पानी के बीच हाउस-बोट पर होने के कारण यहां पहुंचने का अनुभव भी सामान्य पोस्ट ऑफिस से बिल्कुल अलग है। यह सिर्फ देखने की जगह नहीं है। यहां से लोग चिट्ठियां और पार्सल भेज सकते हैं। इंडिया पोस्ट की नियमित सेवाओं से जुड़े कई काम भी यहां किए जाते हैं। इस अनोखे पोस्ट ऑफिस में फिलाटेली म्यूजियम भी है। यहां भारत के डाक इतिहास से जुड़े पुराने टिकट और दूसरी चीजें देखने को मिलती हैं, जो इसे और खास बनाती हैं।

न्यूज विंडो

कोलकाता : BJP कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में हुमायूं कबीर समेत कई घायल

कोलकाता. एजेंसी। कोलकाता के मुकुंदपुर में मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर कब्जे को लेकर तृणमूल और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। दोनों पक्षों की ओर से एक-दूसरे के

खिलाफ नारेबाजी के बीच अंडे और ईंटें फेंकी गईं। तृणमूल की ओर से पूर्व विधायक हुमायूं कबीर और पार्टी नेता उपासना चौधरी के घायल होने का दावा किया गया है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। तृणमूल का आरोप है कि जादवपुर इलाके में उसके कई कार्यालयों पर भाजपा ने कब्जा कर लिया है। इसी के विरोध में निकाले गए मार्च के दौरान दोनों पक्षों में विवाद हुआ। ममता तृणमूल के कार्यकर्ता पार्टी कार्यालय के सामने जुलूस लेकर पहुंचे थे। आरोप है कि इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने जुलूस पर हमला किया। भाजपा की ओर से भी जवाबी हमले का आरोप लगाया गया। इसके बाद दोनों पक्षों में धक्का-मुक्की और हाथापाई शुरू हो गई। झड़प के दौरान दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए। ममता तृणमूल के जुलूस को निशाना बनाकर अंडे और ईंटें फेंकी गईं।

दिल्ली में कॉलेज छात्रा के साथ छेड़खानी, धक्का देकर हो गए फरार

दक्षिणी दिल्ली. एजेंसी। लाडो सराय स्थित कार्यालय से देर रात स्कूटी से घर लौट रही 21 वर्षीय युवती का पंचशील पार्क मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार दो युवकों ने पीछा किया और अश्लील टिप्पणियां कीं। इसके बाद उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे में युवती करीब 100 से 150 मीटर तक सड़क पर घिसटती चली गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। चिकित्सकों ने उसे प्लास्टिक सर्जरी की सलाह दी है। घटना 11 सितंबर की रात की है। युवती की शिकायत के आधार पर मंगलवार को हौजखास थाने में दो अज्ञात युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। युवती के मुताबिक, वह लाडो सराय स्थित आर्ट फर्म में इंटर्नशिप करने के बाद कालकाजी स्थित घर लौट रही थी। पंचशील पार्क मेट्रो स्टेशन के पास बाइक सवार दोनों युवक उसके पीछे लग गए।

कालकाजी घटना के बाद लेडी श्रीराम कॉलेज में ऑनलाइन क्लासेज हुईं शुरू

दक्षिणी दिल्ली. एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के कालकाजी स्थित आस्था कुंज पार्क के पास हुई घटना के बाद कॉलेजों में छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। लेडी श्रीराम कॉलेज फॉर वुमेन ने बुधवार को कॉलेज में ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित की। इससे पहले मंगलवार को भी नियमित कक्षाएं रद कर दी गई थीं। कॉलेज से करीब तीन किलोमीटर दूर हुई इस घटना के बाद कॉलेज प्रशासन ने छात्राओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया है। कॉलेज की प्राचार्या कनिका के. आहूजा ने बताया कि जैसे ही इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना की जानकारी मिली, तत्काल कक्षाएं स्थगित करने का निर्णय लिया गया। छात्राओं की सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य कॉलेज के लिए सबसे महत्वपूर्ण है।

उत्तरप्रदेश में राजपूत-ब्राह्मण खेमे से नए नामों पर मंथन

चेहरे बदलेंगे... जातीय गणित वही रहेगा राज्यसभा के लिए BJP की नई रणनीति

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पूर्व दस सीटों पर होने जा रहे राज्यसभा चुनाव में भाजपा सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए ज्यादातर नए चेहरे पर दांव लगाएगी। उत्तराखंड की इकलौती सीट पर भी भाजपा वर्तमान सांसद नरेश बंसल की जगह राज्य के कद्दावर नेता को उम्मीदवार बनाएगी। उत्तर प्रदेश में पार्टी की योजना वर्तमान आठ सांसदों में से कम से कम पांच सांसदों को दोबारा मौका नहीं देने की है। इनमें से एक दिनेश शर्मा पहले ही उपराज्यपाल बनने के कारण सदस्यता से इस्तीफा दे चुके हैं।

पार्टी सूत्रों ने बताया कि इस बार भी जातीय समीकरण पहले जैसा ही होगा, मगर ज्यादातर चेहरे बदल जाएंगे। वर्तमान में आठ सांसदों में 4 अगड़ा, दो ओबीसी, एक अल्पसंख्यक और एक एससी बिरादरी से हैं। इस बार भी समीकरण करीब-करीब यही रहेगा। हां, ओबीसी में पैठ बढ़ाने की रणनीति के मद्देनजर यह संख्या दो से बढ़ा कर तीन की जा सकती है। राजपूत बिरादरी के दोनों चेहरे बदले जाएंगे, जबकि ब्राह्मण बिरादरी से भी नए चेहरे को मौका मिलेगा।

इन तीन लोगों को मिल सकता है दोबारा मौका

एससी बिरादरी के पूर्व डीजीपी बृज लाल, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा को दोबारा मौका दिया जा सकता है। पुरी की मध्य एशिया, अमेरिका में अच्छी पकड़ है और उन्हें प्रधानमंत्री का करीबी माना जाता है।

इसी प्रकार बृज लाल दलित बिरादरी से तो बीएल वर्मा ओबीसी बिरादरी से हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत की हैट्रिक लगाने के लिए इन्हीं बिरादरी को साधे रखना चाहती है।

भाजपा जस का तस, सपा को लाभ बसपा शून्य

विधानसभा में संख्या बल की दृष्टि से राज्य की दस सीटों में से दो सपा को और आठ भाजपा को जाएगी। सपा का प्रतिनिधित्व लोकसभा, विधानसभा के बाद राज्यसभा में भी शून्य हो जाएगा। राज्य में एक सीट जीतने के लिए 37 विधायकों की जरूरत है। तीन निर्दलीय, राजाभैया के दो विधायकों के साथ और राजभर के दो विधायकों के बागी रुख के कारण राजग का संख्याबल 292 है। ऐसे में उसे आठवीं सीट जीतने के लिए चार अतिरिक्त वोट की जरूरत होगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी में नया मोड़

कोर्ट ने रामजन्मभूमि थाने से मांगी रिपोर्ट, 26 सितंबर को सुनवाई

लखनऊ, एजेंसी

अयोध्या में श्रीराम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में बार एसोसिएशन ने कार्रवाई की मांग को लेकर सीजेएम पीयूष पांडेय की अदालत में अर्जी दाखिल की है। कोर्ट ने प्रकीर्ण वाद दर्ज करते हुए रामजन्मभूमि थाने से 26 सितंबर तक रिपोर्ट मांगी है। बार एसोसिएशन ने चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच की मांग की है। मामले में पहले भी एसआईटी जांच और मुकदमा दर्ज होने की जानकारी सामने आ चुकी है। अर्जी में चंपत राय, अनिल मिश्रा और गोपाल राव पर चढ़ावे की रकम और कीमती सामान की कथित चोरी में भूमिका होने का आरोप लगाया गया है। बार एसोसिएशन ने कहा कि 25 जून को दर्ज मुकदमे में इन लोगों के नाम शामिल नहीं किए गए थे। पुलिस दस्तावेजों का हवाला देते हुए चोरी की रकम और सामान की बरामदगी का भी उल्लेख किया गया है।

पुलिस रिपोर्ट पर होगी सुनवाई

बार एसोसिएशन ने मामले में आरोपों की जांच कराने की मांग की है। अदालत के निर्देश के बाद रामजन्मभूमि थाना पुलिस को 26 सितंबर तक अपनी रिपोर्ट पेश करनी है। इसके बाद अदालत आगे की कार्रवाई पर निर्णय करेगी। आरोपों की पुष्टि जांच और न्यायिक प्रक्रिया के जरिए ही होगी।

दिसंबर में कनाडा के दौरे पर जा सकते हैं पीएम नरेंद्र मोदी

न्यूयॉर्क, एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने मंगलवार को कहा कि नई दिल्ली और ओटावा के बीच व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिसंबर में कनाडा का दौरा कर सकते हैं। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर बात करते हुए कार्नी ने कहा कि भारत और कनाडा के बीच संबंध बेहद महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने दावा किया कि दोनों देश साल के अंत तक व्यापार समझौते पर पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। कार्नी ने कहा, 'हम भारत के साथ अपनी व्यापार वार्ता में अच्छी प्रगति कर रहे हैं। यह कई स्तरों पर बेहद महत्वपूर्ण संबंध है। लोगों के बीच के स्तर पर, सुरक्षा के स्तर पर और साथ ही व्यापार और आर्थिक स्तर पर भी।' उन्होंने कहा, 'वह (पीएम मोदी) उस समय के आसपास कनाडा का दौरा करेंगे। 5 अक्टूबर से शुरू होगा बातचीत का अगला दौर यह बात केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत और कनाडा एक व्यापक आर्थिक साझेदारी के लिए बातचीत में तेजी लाने पर सहमत हुए हैं और बातचीत का अगला दौर 5 अक्टूबर से शुरू होने वाला है।

यूपी 2027 चुनाव: अब लोकदल और कांग्रेस के बीच गठबंधन! कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मिले सुनील सिंह

अलीगढ़, एजेंसी

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव की सियासी तैयारियां तेज होने के साथ ही छोटे दल भी अपनी राजनीतिक भूमिका और गठबंधन में हिस्सेदारी को लेकर सक्रिय हो गए हैं। लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व एमएलसी चौधरी सुनील सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की।

दोनों नेताओं के बीच आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर लोकदल की भूमिका, सीटों की हिस्सेदारी और विपक्षी गठबंधन में पार्टी की भागीदारी पर चर्चा

हुई। बैठक में पंचायत चुनाव और पंचायतों को उनके संवैधानिक अधिकार दिए जाने का मुद्दा भी उठा। 73वें और 74वें संविधान संशोधनों की भावना के अनुरूप पंचायतों और स्थानीय निकायों को अधिक अधिकार और प्रभावी भूमिका देने पर चर्चा हुई। लोकदल की राजनीति में किसान और ग्रामीण क्षेत्र के मुद्दे प्रमुख रहे हैं, ऐसे में इन्हें आगामी चुनावी विमर्श से जोड़ने की तैयारी के संकेत भी बैठक से मिले। दोनों नेताओं के बीच किसानों, ग्रामीण क्षेत्र, रोजगार, महंगाई और आम जनता से जुड़े मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ। लोकदल की ओर से इन मुद्दों को 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रमुखता से उठाने की बात कही गई। पिछले दिनों सुनील सिंह हाल में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से भी मुलाकात कर चुके हैं। उस मुलाकात में भी 2027 के विधानसभा चुनाव और सीटों के बंटवारे को लेकर चर्चा हुई थी।

मेट्रो एंकर पीएम मोदी ने बताया दुनिया की सबसे बड़ी हेल्थकेयर योजनाओं में शामिल

आयुष्मान के 8 साल: 60 करोड़ लोगों तक पहुंचा स्वास्थ्य सुरक्षा का कवच

नई दिल्ली, एजेंसी

आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के आठ साल पूरे होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे देश के गरीब और जरूरतमंद परिवारों के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा का बड़ा माध्यम बताया। योजना के तहत प्रति परिवार सालाना पांच लाख रुपए तक का कैशलेस अस्पताल उपचार कवर उपलब्ध है।

सरकार के ताजा आंकड़ों के मुताबिक 21 सितंबर 2026 तक 48.51 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बन चुके हैं और अब तक करीब 13.25 करोड़

अस्पताल दाखिले अधिकृत किए गए हैं। इन उपचारों की राशि 2.03 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। योजना से जुड़े 38 हजार से ज्यादा सरकारी और निजी अस्पताल हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि योजना ने इलाज के खर्च का बोझ कम करने में मदद की है। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के जरिए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार का भी उल्लेख किया। इन केंद्रों पर अब तक 540 करोड़ से अधिक विजिट दर्ज की जा चुकी हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच को व्यापक बनाया है। वहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने इसे जरूरतमंद परिवारों के लिए आर्थिक सुरक्षा का माध्यम बताया।

48.51 करोड़ से ज्यादा आयुष्मान कार्ड

आयुष्मान भारत-पीएम जन आरोग्य योजना के तहत 21 सितंबर 2026 तक 48.51 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को सालाना पांच लाख रुपए तक का अस्पताल उपचार कवर मिलता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 31 अगस्त 2026 तक योजना के तहत करीब 13.25 करोड़ अस्पताल दाखिले अधिकृत किए गए, जिन पर 2.03 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का उपचार हुआ। देशभर में 38 हजार से अधिक सरकारी और निजी अस्पताल योजना से जुड़े हैं। योजना का उद्देश्य गंभीर बीमारियों के इलाज में परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को कम करना और जरूरतमंद लोगों तक कैशलेस स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर 540 करोड़ रुपए विजिट

आयुष्मान भारत के तहत केवल अस्पताल उपचार ही नहीं, बल्कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूत करने पर जोर दिया गया है। देशभर में संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में अब तक 540 करोड़ से अधिक विजिट दर्ज की जा चुकी हैं। इन केंद्रों के माध्यम से लोगों को उनके घरों के नजदीक प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार के मुताबिक 17 सितंबर 2026 तक इन केंद्रों से 50 करोड़ से अधिक टेली-कंसल्टेशन भी किए जा चुके थे। आयुष्मान भारत के साथ डिजिटल हेल्थ मिशन और स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत करने वाली योजनाओं को भी जोड़ा गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564, 4917524